

رُكُوعًا ٣

(٥٨) سُورَةُ الْحَجْرَةِ مَكِّيَّةٌ (١٠٥)

آيَاتُهَا ٢٢

और ३ रुकूअ हैं

सूरअे मुजादला मदीना में नाजिल हुई

उस में २२ आयतें हैं

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

पण्डता हुं अद्लाउ का नाम ले कर जो बडा मेहरबान, निडायत रहम वाला है

قَدْ سَمِعَ اللَّهُ قَوْلَ الَّتِي تُجَادِلُكَ فِي زَوْجِهَا

यकीनन अद्लाउ ने सुन ली उस औरत की बात जो आप से जघड रही थी अपने शौहर के बारे में

وَتَشْتَكِي إِلَى اللَّهِ وَاللَّهُ يَسْمَعُ تَحَاوُرَكُمَا إِنَّ اللَّهَ

और अद्लाउ से शिकायत कर रही थी. और अद्लाउ तुम दोनों की गुफ्तगू सुन रहे थे. यकीनन अद्लाउ

سَمِيعٌ بَصِيرٌ الَّذِينَ يُظَاهِرُونَ مِنْكُمْ مِنْ نِسَائِهِمْ

सुनने वाले, देखने वाले हैं. तुम में से वो मर्द जो अपनी औरतों से जिडार करें

مَا هُنَّ أُمَّهَاتِهِمْ إِنْ أُمَّهَاتُهُمْ إِلَّا الْآلُ وَلَدَنَّهُمْ

तो वो उन की डकीकी माओं नहीं बन जातीं. उन की डकीकी माओं तो वही हैं जिन्होंने उन को जना है.

وَإِنَّهُمْ لَيَقُولُونَ مُنْكَرًا مِنَ الْقَوْلِ وَزُورًا وَإِنَّ اللَّهَ

और यकीनन वो बुरी बात और जूठी बात केड रहे हैं. और यकीनन अद्लाउ बडोत जयादा माइ

لَعَفُوٌّ غَفُورٌ وَالَّذِينَ يُظَاهِرُونَ مِنْ نِسَائِهِمْ

करने वाला, बडोत जयादा बपशने वाला है. और जो मर्द अपनी औरतों से जिडार करें,

ثُمَّ يَعُودُونَ لَهَا قَالُوا فَتَحْرِيرُ رَقَبَةٍ مِّن قَبْلِ

फिर वो वापस अपने कलाम से रुजूअ करें तो अेक गर्हन आजाह करना है इस से पेडले के वो अेक दूसरे को

أَنْ يَّتَمَسَّأَ ذَلِكُمْ تَوْعُظُونَ بِهِ وَاللَّهُ بِمَا تَعْمَلُونَ

छुअें. उस की तुम्हें नसीहत की जाती है. और अद्लाउ तुम्हारे आमाल से

خَبِيرٌ فَمَنْ لَّمْ يَجِدْ فَصِيَامَ شَهْرَيْنِ مُتَتَابِعَيْنِ

बाबबर है. फिर जो (गुलाम) न पाअे तो लगातार दो महीनों के रोजे हैं

مَنْ قَبْلِ أَنْ يَّتَمَسَّأَ فَمَنْ لَّمْ يَسْتَطِعْ فَاطْعَامُ سِتِّينَ

इस से पेडले के वो अेक दूसरे को छुअें. फिर जो उस की ताकत न रभता हो तो साठ भिस्कीनों को पाना

مُسْكِينًا ذَلِكَ لِتُؤْمِنُوا بِاللَّهِ وَرَسُولِهِ وَتِلْكَ حُدُودُ

भिलाना है. ये इस लिये है ताके तुम ईमान लाओ अद्लाउ पर और उस के रसूल पर. और ये

اللَّهُ ۖ وَلِلْكَافِرِينَ عَذَابٌ أَلِيمٌ ۝ إِنَّ الَّذِينَ يُحَادِّثُونَ

अल्लाह की मुकर्ररा हुदूद हैं. और काफ़िरो के लिये ददनाक अजाब है. यकीनन वो लोग जो अल्लाह और

اللَّهُ وَرَسُولَهُ كُتِبُوا كَمَا كُتِبَ الَّذِينَ مِنْ قَبْلِهِمْ وَقَدْ

उस के रसूल से जघदते हैं जलील डोंगे जैसा के जलील हुवे वो जो उन से पेडले थे और यकीनन

أَنْزَلْنَا آيَاتٍ بَيِّنَاتٍ ۖ وَلِلْكَافِرِينَ عَذَابٌ مُّهِينٌ ۝

डम ने साइ साइ आयतें नाजिल की हैं. और काफ़िरो के लिये रुस्वा करने वाला अजाब है.

يَوْمَ يَبْعَثُهُمُ اللَّهُ جَمِيعًا فَيُنَبِّئُهُمْ بِمَا عَمِلُوا ۖ

जिस दिन उन तमाम को अल्लाह उठायेगा, फिर उन को जतलायेगा वो अमल जो उनडों ने किये.

أَحْصَاهُ اللَّهُ وَنَسُوهُ ۖ وَاللَّهُ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ شَهِيدٌ ۝

अल्लाह ने उस को गिन रभा है और उनडों ने उस को भुला दिया है. और अल्लाह डर थीज को डेभ रडे हैं.

أَلَمْ تَرَ أَنَّ اللَّهَ يَعْلَمُ مَا فِي السَّمَوَاتِ وَمَا فِي الْأَرْضِ ۖ

क्या आप ने डेभा नहीं के अल्लाह जानता है उन थीजों को जो आस्मानों में हैं और जो जमीन में हैं.

مَا يَكُونُ مِنْ نَجْوَىٰ ثَلَاثَةٍ إِلَّا هُوَ رَابِعُهُمْ وَلَا خَمْسَةٍ

तीन आदमियों की कोठ सरगोशी नहीं डोती मगर अल्लाह उन का चौथा डोता है और न पांच

إِلَّا هُوَ سَادِسُهُمْ وَلَا آدُنِي مِنْ ذَلِكَ وَلَا أَكْثَرِ إِلَّا هُوَ

आदमियों की मगर अल्लाह उन का छटा डोता है, और न उस से कम और न उस से जयादा मगर वो उन के साथ

مَعَهُمْ أَيِّنَ مَا كَانُوا ثُمَّ يُنَبِّئُهُمْ بِمَا عَمِلُوا يَوْمَ الْقِيَامَةِ ۖ

डोता है, जडं भी वो डों. फिर अल्लाह उनडें उन आमाल की जो उनडों ने किये क्यामत के दिन षभर डेगा.

إِنَّ اللَّهَ بِكُلِّ شَيْءٍ عَلِيمٌ ۝ أَلَمْ تَرَ إِلَى الَّذِينَ نُهُوا

यकीनन अल्लाह डर थीज को षूभ जानने वाले हैं. क्या आप ने डेभा नहीं उन लोगों की तरइ जिन को

عَنِ النَّجْوَىٰ ثُمَّ يَعُودُونَ لِمَا نُهُوا عَنْهُ وَيَتَنَجَّوْنَ

सरगोशी से मना किया गया, फिर भी वो डोभारा करते हैं उसी को जिस से उन को रोका गया था और वो सरगोशी करते हैं

بِالْأَيْمِ وَالْعُدْوَانِ وَمَعْصِيَتِ الرَّسُولِ ۖ وَإِذَا جَاءُوكَ

गुनाड की और ठूल्म की और रसूलल्लाह (सल्लल्लाहुअलयहि वसल्लम) की नाइरमानी की. और जभ वो आप के पास आते हैं तो आप को

حَيَّوْكَ بِمَا لَمْ يُحَيِّكَ بِهِ اللَّهُ ۖ وَيَقُولُونَ فِي أَنْفُسِهِمْ

डुआ डेते हैं उन अड्काज से जो अल्लाह ने आप को डुआ डेने के लिये मषूस नहीं इरमाअे. और वो केडते हैं अपने डिलों में

لَوْلَا يُعَذِّبُنَا اللهُ بِمَا نَقُولُ ۗ حَسْبُكُمْ جَهَنَّمُ ۗ يَصَلُّونَهَا ۗ

के अल्लाह हमे अज्राब कयूनहीं देता उन बातों की वजह से जो हम के उरहें हैं उन के लिये जहन्नम कफ़ी है, जिस में वो

فِيئْسَ الْبَصِيرُ ۝ يَأَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا إِذَا تَنَاجَيْتُمْ

दाखिल होंगे. फिर वो बुरी जग़ा है. अे ईमान वालों! जब तुम आपस में सरगोशी करो

فَلَا تَتَنَاجَوْا بِالْإِثْمِ وَالْعُدْوَانِ وَمَعْصِيَتِ الرَّسُولِ

तो सरगोशी मत करो गुनाह की और जुल्म की और रसूलुल्लाह (सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लम) की नाफ़रमानी की,

وَتَنَاجَوْا بِالْبُرِّ وَالتَّقْوَى ۗ وَاتَّقُوا اللهَ الَّذِي إِلَيْهِ

बल्के सरगोशी करो नेकी की और तकवे की. और अल्लाह से डरो, उस अल्लाह से जिस की तरफ़

تُحْشَرُونَ ۝ إِنَّمَا التَّجْوَى مِنَ الشَّيْطَانِ لِيَحْزَنَ

तुम एकट्ठे किये जाओगे. सरगोशी तो सिर्फ़ शयतान की तरफ़ से है ताके वो गमगीन करे

الَّذِينَ آمَنُوا وَلَيْسَ بِضَارِّهِمْ شَيْئًا إِلَّا بِإِذْنِ اللهِ ۗ

ईमान वालों को ढालांके वो उन को ज़रा भी ज़रर नहीं पहुँचा सकता मगर अल्लाह के हुक़म से.

وَعَلَى اللهُ فَلْيَتَوَكَّلِ الْمُؤْمِنُونَ ۝ يَأَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا

और अल्लाह ही पर ईमान वालों को तवक्कुल करना चाडिये. अे ईमान वालों!

إِذَا قِيلَ لَكُمْ تَفَسَّحُوا فِي الْمَجَالِسِ فَافْسَحُوا يَفْسَحِ

जब तुम से कडा जाअे के मजलिस में भुल कर बैठो तो कुशाहगी किया करो, अल्लाह तुम्हारे लिये

اللهُ لَكُمْ ۗ وَإِذَا قِيلَ انشُرُوا فَانشُرُوا يَرْفَعِ اللهُ

कुशाहगी करेगा. और जब कडा जाअे के उठ जाओ तब उठ जाओ, तो अल्लाह तुम में

الَّذِينَ آمَنُوا مِنْكُمْ ۗ وَالَّذِينَ أُوتُوا الْعِلْمَ دَرَجَاتٍ ۗ

से ईमान वालों के और उन के दरजात भुलन्ह करेगा जिन को ईल्म दिया गया.

وَاللهُ بِمَا تَعْمَلُونَ خَبِيرٌ ۝ يَأَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا

और अल्लाह तुम्हारे आमाल से बाखबर हैं. अे ईमान वालों!

إِذَا نَاجَيْتُمُ الرَّسُولَ فَقَدِّمُوا بَيْنَ يَدَيْ نَجْوَاكُمْ

जब तुम रसूलुल्लाह (सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लम) से सरगोशी करो, तो अपनी सरगोशी से पेडले

صَدَقَةٌ ۗ ذَلِكَ خَيْرٌ لَّكُمْ وَأَطْهَرُ ۗ فَإِنْ لَّمْ تَجِدُوا

कुछ सदका कर लो. ये तुम्हारे लिये बेडतर है और ज़यादा पाकीज़गी वाला है. फिर अगर तुम (सदका) न पाओ

فَإِنَّ اللَّهَ عَفُورٌ رَّحِيمٌ ﴿١١﴾ ءَأَشْفَقْتُمْ أَنْ تُقَدِّمُوا بَيْنَ

तो यकीनन अल्लाह बपशने वाले, निडायत रहम वाले हैं. क्या तुम इस से डर गये के अपनी

يَدَيَّ نَجُوبَكُمْ صَدَقْتُمْ ۖ فَإِذْ لَمْ تَفْعَلُوا وَتَابَ اللَّهُ

सरगोशी से पेडले सहका कर दिया करो? फिर जब तुम ने ऐसा नहीं किया और अल्लाह ने तुम्हें माफ़

عَلَيْكُمْ فَأَقِيمُوا الصَّلَاةَ وَآتُوا الزَّكَاةَ وَاطِيعُوا اللَّهَ

कर दिया तो नमाज काईम करो और जकात दो और अल्लाह और उस के रसूल का केडना

وَرَسُولَهُ ۖ وَاللَّهُ خَبِيرٌ بِمَا تَعْمَلُونَ ﴿١٢﴾ أَلَمْ

मानो. और अल्लाह बाबबर है उन कामों से जो तुम करते हो. क्या आप ने देखा नहीं

تَرَى إِلَى الَّذِينَ تَوَلَّوْا قَوْمًا غَضِبَ اللَّهُ عَلَيْهِمْ ۖ مَا هُمْ مِنْكُمْ

उन लोगों की तरफ़ जिन्होंने ने दोस्ती की ऐसी कौम से जिन पर अल्लाह का गजब है? वो तुम में से नहीं हैं

وَلَا مِنْهُمْ ۚ وَيَحْلِفُونَ عَلَى الْكُذِبِ وَهُمْ يَعْلَمُونَ ﴿١٣﴾

और न उन में से हैं और वो जूठी बात पर कसम खाते हैं डालांके वो जानते हैं.

أَعَدَّ اللَّهُ لَهُمْ عَذَابًا شَدِيدًا ۖ إِنَّهُمْ سَاءَ مَا كَانُوا

अल्लाह ने उन के लिये दहनाक अजाब तैयार कर रखा है. यकीनन भुरे हैं वो काम जो वो कर

يَعْمَلُونَ ﴿١٤﴾ اتَّخَذُوا أَيْمَانَهُمْ جُنَّةً ۖ فَصَدُّوا

रहे हैं. उन्होंने ने अपनी कस्मों को ढाल बना लिया है, फिर उन्होंने ने अल्लाह के रास्ते

عَنْ سَبِيلِ اللَّهِ فَالَهُمْ عَذَابٌ مُهِينٌ ﴿١٥﴾ لَنْ تَغْنَى

से रोका, फिर उन के लिये रुस्वा करने वाला अजाब है. डरगिज उन के कुछ काम नहीं

عَنْهُمْ أَمْوَالُهُمْ وَلَا أَوْلَادُهُمْ مِنَ اللَّهِ شَيْئًا ۖ

आअेंगे उन के माल और न उन की औलाद अल्लाह से जरा भी.

أُولَئِكَ أَصْحَابُ النَّارِ ۖ هُمْ فِيهَا خَالِدُونَ ﴿١٦﴾ يَوْمَ

ये डोज़भी हैं. वो उस में डमेशा रहेंगे. जिस दिन

يَبْعَثُ اللَّهُ جَمِيعًا ۖ فَيَحْلِفُونَ لَهُ كَمَا يَحْلِفُونَ لَكُمْ

अल्लाह उन तमाम को कफ़्रो से उठाओगा, फिर वो अल्लाह के सामने कस्में आअेंगे जैसा के वो तुम्हारे सामने

وَيُحْسَبُونَ أَنَّهُمْ عَلَىٰ شَيْءٍ ۖ أَلَا إِنَّهُمْ هُمُ الْكَاذِبُونَ ﴿١٧﴾

कस्में खाते थे और वो समजते हैं के वो (अच्छे) काम पर हैं. सुनो! यकीनन वो जूठे हैं.

اِسْتَحْوَذَ عَلَيْهِمُ الشَّيْطٰنُ فَاَنْسٰهُمْ ذِكْرَ اللّٰهِ ۗ اُولٰٓئِكَ حِزْبُ

शयतान उन पर गा़लब आ गया है, फिर शयतान ने अल्लाह का जिक्र उन से लुका दिया है। ये शयतान का

الشَّيْطٰنُ ۗ اِلَّا اِنَّ حِزْبَ الشَّيْطٰنِ هُمُ الْخٰسِرُوْنَ ﴿۱۹﴾

गिरोह है। सुनो! यकीनन शयतान का गिरोह वही भसारा उठाने वाला है।

اِنَّ الَّذِيْنَ يُحٰدِثُوْنَ اللّٰهَ وَرَسُوْلَهٗٓ اُولٰٓئِكَ فِي الْاٰذِلِّيْنَ ﴿۲۰﴾

यकीनन वो लोग जो अल्लाह और उस के रसूल से मुभालफ़त रખते हैं ये सभ से जयादा जलील लोगों में हैं।

كَتَبَ اللّٰهُ لِعٰلِمِيْنَ اَنَا وَّرَسُوْلِيْ ۗ اِنَّ اللّٰهَ قَوِيٌّ عَزِيْزٌ ﴿۲۱﴾

अल्लाह ने लिख दिया है कि मैं और मेरे पैग़म्बर ही अज़र गा़लब रहेंगे। यकीनन अल्लाह कुव्वत वाला, ज़बरदस्त है।

لَا تَحِذُ قَوْمًا يُّؤْمِنُوْنَ بِاللّٰهِ وَالْيَوْمِ الْاٰخِرِ يُوَادُّوْنَ

आप नहीं पाओगे ऐसी क़ौम को जो ईमान रખती है अल्लाह पर और आभिरी दिन पर के वो दोस्ती रખते हों

مَنْ حَادَّ اللّٰهَ وَرَسُوْلَهٗٓ وَلَوْ كَانُوْا اٰبَآءَهُمْ اَوْ اَبْنَاؤُهُمْ

उन से जो अल्लाह और उस के रसूल के मुभालिफ़ हैं, अगरये वो उन के बाप दादा या उन के भेटे

اَوْ اِخْوَانَهُمْ اَوْ عَشِيْرَتَهُمْ ۗ اُولٰٓئِكَ كَتَبَ فِيْ قُلُوْبِهِمْ

या उन के भाई या उन का भानदान ही कयूँ न हो। ये वो लोग हैं के जिन के दिलों में अल्लाह ने ईमान लिख

الْاِيْمَانَ وَاَيَّدَهُمْ بِرُوْحٍ مِّنْهُ ۗ وَيُدْخِلُهُمْ جَنَّٰتٍ تَجْرِيْ

दिया है और अपनी तरफ़ से रुह के जरिये उन की तार्थद की है। और अल्लाह उन्हें जन्नतों में दाखिल करेगा,

مِنْ تَحْتِهَا الْاَنْهٰرُ خٰلِدِيْنَ فِيْهَا ۗ رَضِيَ اللّٰهُ عَنْهُمْ وَرَضُوْا

जिन के नीचे से नहरें बहती होंगी, जिन में वो हमेशा रहेंगे। अल्लाह उन से राज़ी हुवा और वो अल्लाह से

عَنْهُ ۗ اُولٰٓئِكَ حِزْبُ اللّٰهِ ۗ اِلَّا اِنَّ حِزْبَ اللّٰهِ هُمُ الْمُفْلِحُوْنَ ﴿۲۲﴾

राज़ी हो गये। ये अल्लाह का गिरोह है। सुनो! यकीनन अल्लाह का गिरोह ही इलाह पाने वाला है।

اٰیٰتِهَا ۲۴ (۵۹) سُوْرَةُ الْحٰشِرَةِ مَكِّيَّةٌ (۱۰۱) رُكُوْعَاتِهَا ۳

और ३ रुकूअ हैं सूरअे ७२२ मदीना में नाज़िल हुई उस में २४ आयतें हैं

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْمِ ۝

पण्डता हुं अल्लाह का नाम ले कर जो बडा मेहरबान, निहायत रहम वाला है

سَبَّحَ لِلّٰهِ مَا فِي السَّمٰوٰتِ وَمَا فِي الْاَرْضِ ۗ وَهُوَ

अल्लाह के लिये तस्बीह करती हैं वो तमाम चीज़ें जो आस्मानों में हैं और जो ज़मीन में हैं। और वो

الْعَزِيزُ الْحَكِيمُ ۱ هُوَ الَّذِي أَخْرَجَ الَّذِينَ كَفَرُوا

जबरदस्त है, छिकमत वाला है. वही है जिस ने अउले कित्ताभ में से काफ़िरो को उन के

مِنْ أَهْلِ الْكِتَابِ مِنْ دِيَارِهِمْ لِأَوَّلِ الْحَشْرِ مَا ظَنَّتُمْ

घरों से पेडली भार धकट्टे करने के वक्त बाउर निकाला. तुम ने गुमान नहीं किया था

أَنْ يَخْرُجُوا وَظَنُّوا أَنَّهُمْ مَانِعَتُهُمْ حُصُونُهُمْ مِنَ اللَّهِ فَأَتَهُمُ

के वो निकलेंगे और वो भी गुमान कर रहे थे के उन को उन के किलअे अल्लाह से भयाने वाले हैं, फिर अल्लाह

اللَّهُ مِنْ حَيْثُ لَمْ يَحْتَسِبُوا وَقَدَفَ فِي قُلُوبِهِمُ

उन के पास आया ऐसी जगा से जिस का उनको ने गुमान भी नहीं किया था और अल्लाह ने उन के दिलों में रौंभ

الرُّعْبَ يُجْرِبُونَ بِيُوتِهِمْ بِأَيْدِيهِمْ وَأَيْدِي الْمُؤْمِنِينَ ۲

डाल दिया के वो अपने घरों को अपने हाथों से और धमान वालों के हाथों से उजाडने लगे.

فَاعْتَبِرُوا يَا أُولِيَ الْأَبْصَارِ ۳ وَلَوْلَا أَنْ كَتَبَ اللَّهُ عَلَيْهِمُ

तो अे भसीरत वालो! धध्रत पकडो. और अगर अल्लाह ने उन पर जिलावतनी न लिख दी

الْجَلَاءَ لَعَذَّبَهُمْ فِي الدُّنْيَا وَلَهُمْ فِي الْآخِرَةِ عَذَابٌ

डोती तो अल्लाह उन को दुन्या में अजाभ देता. और उन के लिये आभिरत में आग का

النَّارِ ۴ ذَلِكَ بِأَنَّهُمْ شَاقُّوا اللَّهَ وَرَسُولَهُ ۵ وَمَنْ

अजाभ है. ये धस वजह से के उनको ने अल्लाह और उस के रसूल की मुभालफ़त की. और जो भी

يُشَاقِّ اللَّهَ فَإِنَّ اللَّهَ شَدِيدُ الْعِقَابِ ۶ مَا قَطَعْتُمْ

अल्लाह की मुभालफ़त करेगा तो यकीनन अल्लाह सप्त सजा देने वाला है. जो भजूर का

مِنْ لَيْبَةٍ أَوْ تَرَكْتُمُوهَا قَائِمَةً عَلَىٰ أُصُولِهَا فَبِإِذْنِ

दरप्त तुम ने काटा या उस को अपनी जडों पर भडा छोड दिया तो वो अल्लाह के हुकम से

اللَّهِ وَلِيُخْزِيَ الْفَاسِقِينَ ۷ وَمَا آفَاءَ اللَّهِ عَلَىٰ رَسُولِهِ

था और धस लिये ताके अल्लाह नाफ़रमानों को रुस्वा करे. और जो अल्लाह ने अपने रसूल पर उन लोगो

مِنْهُمْ فَمَا أَوْجَفْتُمْ عَلَيْهِ مِنْ خَيْلٍ وَلَا رِكَابٍ

से (कैअ बना कर) लौटाया, फिर तुम ने उस पर घोडे और ठांट नहीं दौडाअे थे,

وَلَكِنَّ اللَّهَ يُسَلِّطُ رُسُلَهُ عَلَىٰ مَنْ يَشَاءُ ۸ وَاللَّهُ عَلَىٰ كُلِّ

लेकिन अल्लाह मुसल्लत करता है अपने पैगम्बरों को जिस पर याडता है. और अल्लाह उर थीज पर

شَيْءٍ قَدِيرٌ ۝ مَا آفَاءَ اللَّهِ عَلَى رَسُولِهِ مِنْ أَهْلِ

कुहरत वाला है. जो अल्लाह ने अपने रसूल पर माले कैअ लौटाया उन बस्तियों वालों की

الْقُرَىٰ لِلَّهِ وَلِلرَّسُولِ وَلِذِي الْقُرْبَىٰ وَالْيَتَامَىٰ

तरफ़ से, तो वो अल्लाह का है और रसूल का है और रिश्तेदारों और यतीमों

وَالْمَسْكِينِ وَابْنِ السَّبِيلِ ۚ كَيْ لَا يَكُونَ دُولَةً بَيْنَ

और मिसकीनों और मुसाफ़िर का है. ताके ये तुम में से मालदारों के दरमियान घूमने वाली

الْأَغْنِيَاءِ مِنْكُمْ ۗ وَمَا اتَّكُمُ الرَّسُولُ فَخُذُوهُ ۗ

जाईदाह बन कर न रेह जाओ. और रसूल तुम्हें जो दे उस को ले लो.

وَمَا نَهَكُمُ عَنْهُ فَأْتُوهُ ۗ وَأَتَّقُوا اللَّهَ ۗ إِنَّ اللَّهَ شَدِيدُ

और जिस से तुम्हें रोके उस से रुक जाओ. और अल्लाह से डरो. यकीनन अल्लाह सप्त सजा

الْعِقَابِ ۗ لِلْفُقَرَاءِ الْمُهَاجِرِينَ الَّذِينَ أُخْرِجُوا

देने वाला है. उन झुकरा के लिये (माले कैअ) है जिन्होंने ने डिजरत की, जो अपने घरों से

مِنْ دِيَارِهِمْ وَأَمْوَالِهِمْ يَبْتَغُونَ فَضْلًا مِّنَ اللَّهِ

और अपने मालों से निकाल दिये गये हैं, जो अल्लाह का इजल और अल्लाह की भुशूदी तलब

وَرِضْوَانًا وَيَنْصُرُونَ اللَّهَ وَرَسُولَهُ ۗ أُولَٰئِكَ هُمُ

करते हैं और जो अल्लाह और उस के रसूल की नुस्रत करते हैं. यही लोग

الصَّادِقُونَ ۗ وَالَّذِينَ تَبَوَّؤُا الدَّارَ وَالْإِيمَانَ

सच्ये हैं. और उन के लिये (माले कैअ) है जो मदीना में मुकीम थे ईमान के साथ मुडाजिरीन के

مِنْ قَبْلِهِمْ يُجِبُونَ مَنْ هَاجَرَ إِلَيْهِمْ وَلَا يَجِدُونَ

आने से पेहले, जो मडब्बत करते हैं उस से जो डिजरत कर के आये उन की तरफ़ और अपने दिलों में

فِي صُدُورِهِمْ حَاجَةً مِّمَّا أُوتُوا وَيُؤْثِرُونَ

कोई तंगी नहीं पाते उस की तरफ़ से जो उन्हें (मुडाजिरीन को) दिया जाये, और वो अपने आप पर

عَلَىٰ أَنفُسِهِمْ وَلَوْ كَانَ بِهِمْ خَصَاصَةٌ ۗ وَمَنْ يُوقِ شَحْحَ

मुडाजिरीन को तरजुह देते हैं अगरये भुद उन के साथ झका डी कयूं न हो. और जिसे अपने नफ़स के

نَفْسِهِ فَأُولَٰئِكَ هُمُ الْمُفْلِحُونَ ۗ وَالَّذِينَ جَاءُوا

भुजल से बचा लिया गया तो यही लोग इलाह पाने वाले हैं. और जो उन के

النَّفْسِ الْوَالِدِ

مِنْ بَعْدِهِمْ يَقُولُونَ رَبَّنَا اغْفِرْ لَنَا وَإِخْوَانَنَا

बाद आये, वो केहते हैं के अउ उमारे रब! मगफ़िरत कर दे उमारी और उमारे भाईयो की,

الَّذِينَ سَبَقُونَا بِالْإِيمَانِ وَلَا تَجْعَلْ فِي قُلُوبِنَا

उन की जिन्हों ने ईमान में हम से सभकत की है और उमारे दिलों मे ईमान वालों

غِلًّا لِلَّذِينَ آمَنُوا رَبَّنَا إِنَّكَ رَءُوفٌ رَحِيمٌ ﴿۱۰﴾

के लिये कीना मत रब, अउ उमारे रब! यकीनन तू बख़ोत जयादा शफ़कत वाला, निहायत मेहरबान है.

أَلَمْ تَرَ إِلَى الَّذِينَ نَافَقُوا يَقُولُوا لِإِخْوَانِهِمُ الَّذِينَ

क्या आप ने नहीं देखा मुनाफ़िकीन को जो अउले किताब में से

كَفَرُوا مِنْ أَهْلِ الْكِتَابِ لَئِنْ أُخْرِجْتُمْ لَنَخْرُجَنَّ

अपने काफ़िर भाईयो से केहते हैं के अगर तुम निकाले गअे तो हम भी तुम्हारे साथ निकल

مَعَكُمْ وَلَا نَطِيعُ فِيكُمْ أَحَدًا أَبَدًا وَإِنْ قُوتِلْتُمْ

जाअेगे, और हम तुम्हारे बारे में किसी की बात कभी नहीं मानेगे. और अगर तुम से किताब किया गया,

لَنَنْصُرَنَّكُمْ ۖ وَاللَّهُ يُشْهَدُ إِنَّهُمْ لَكَاذِبُونَ ﴿۱۱﴾

तो हम तुम्हारी ज़रूर नुस्रत करेंगे. डालांके अल्लाह गवाही देता है के ये बिटकुल जूठे हैं. अगर

لَئِنْ أُخْرِجُوا لَا يَخْرُجُونَ مَعَهُمْ ۖ وَلَئِنْ قُوتِلُوا

वो निकाले गअे तो ये उन के साथ नहीं निकलेंगे. और अगर उन से किताब किया गया तो उन की नुस्रत

لَا يَنْصُرُونَهُمْ ۖ وَلَئِنْ نَصَرُوهُمْ لَيُوَلِّنَنَّ الْأَدْبَارَ

नहीं करेंगे. और अगर वो उन की नुस्रत करेंगे भी, तो वो ज़रूर पीठ फेर कर भागेंगे.

ثُمَّ لَا يُنصُرُونَ ﴿۱۲﴾ لَأَعْتَنُتُمْ أَشَدَّ رَهْبَةً فِي صُدُورِهِمْ

फ़िर उन की नुस्रत नहीं की जाअेगी. अलबता तुम्हारा भौफ़ उन के दिलों में अल्लाह से भी

مِّنَ اللَّهِ ۖ ذَلِكَ بِأَنَّهُمْ قَوْمٌ لَا يَفْقَهُونَ ﴿۱۳﴾

जयादा है. ये ईस वजह से के ये अैसी कौम है जो कुछ समजती नहीं.

لَا يُقَاتِلُونَكُمْ جَمِيعًا إِلَّا فِي قَرْيٍ مُحَصَّنَةٍ

वो सभ एकट्ठे डो कर भी तुम से किताब नहीं कर सकते मगर किलआबन्ध बस्तियों में

أَوْ مِنْ وَّرَاءِ جُدُرٍ بَأْسُهُمْ بِيَهُمْ شَدِيدٌ ۖ تَحْسَبُهُمْ جَمِيعًا

या दीवारों की ओट से. उन की लडाई आपस में बडी सप्त है. आप उन्हेँ एकट्ठे गुमान करते हैं

لَا يُقَاتِلُونَكُمْ

وَقُلُوبُهُمْ شَتَّىٰ ۖ ذَٰلِكَ بِأَنَّهُمْ قَوْمٌ لَّا يَعْقِلُونَ ﴿۱۳﴾

डालांके उन के दिल अलग अलग हैं. ये इस वजह से के ये ऐसी क्रोम है जो अकल नहीं रखती. इन का

كَمَثَلِ الَّذِينَ مِنْ قَبْلِهِمْ قَرِيبًا ذَاقُوا وَبَالَ أَمْرِهِمْ ۗ

डाल उन के डाल की तरह है जो उन से पहलेले अभी गुजरे हैं जिन्होंने अपनी हरकत का वजाल यज लिया.

وَلَهُمْ عَذَابٌ أَلِيمٌ ﴿۱۴﴾ كَمَثَلِ الشَّيْطَانِ إِذْ قَالَ

और उन के लिये दर्दनाक अज्जब है. उन का डाल उस शयतान के डाल की तरह है जब वो इन्सान से केडता

لِلْإِنْسَانِ الْكُفْرَ ۖ فَلَمَّا كَفَرَ قَالَ إِنِّي بَرِيءٌ مِّنْكَ إِنِّي

है के तू काफिर बन जा. जब वो कुड़ कर लेता है, तो शयतान केडता है के मैं तुज से बरी हुं के मैं

أَخَافُ اللَّهَ رَبَّ الْعَالَمِينَ ﴿۱۵﴾ فَكَانَ عَاقِبَتُهُمَا أَنَّهُمَا

अल्लाह रब्बुल आलमीन से डरता हुं. फिर दोनों का अन्जाम ये डोगा के वो दोनों

فِي النَّارِ خَالِدِينَ فِيهَا ۖ وَذَٰلِكَ جَزَاؤُ الظَّالِمِينَ ﴿۱۶﴾

आग में डोंगे, उस में वो डमेशा रहेंगे. और ये जालिमों की सजा है.

يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا اتَّقُوا اللَّهَ وَلْتَنْظُرْ نَفْسٌ

ओ इमान वालो! अल्लाह से डरो और याडिये के डर शप्स देज ले वो जो

مَّا قَدَّمَتْ لِغَدٍ ۖ وَاتَّقُوا اللَّهَ ۖ إِنَّ اللَّهَ خَبِيرٌ

उस ने कल के लिये आगे कया भेजा है. और अल्लाह से डरो. यकीनन अल्लाह बाजबर है उन कामों से

بِمَا تَعْمَلُونَ ﴿۱۷﴾ وَلَا تَكُونُوا كَالَّذِينَ نَسُوا اللَّهَ فَأَنسَاهُمْ

जो तुम करते डो. और उन लोगों की तरह मत बनो जिन्होंने अल्लाह को भुला दिया, फिर अल्लाह ने भुड

أَنفُسَهُمْ ۖ أُولَٰئِكَ هُمُ الْفَاسِقُونَ ﴿۱۸﴾ لَا يَسْتَوِي

उन को उन की जानों से भुला दिया. यडी लोग नाकरमान हैं. डोजभी और जन्ती

أَصْحَابُ النَّارِ وَأَصْحَابُ الْجَنَّةِ ۖ أَصْحَابُ الْجَنَّةِ هُمْ

बराबर नहीं डो सकते. जन्ती डी काम्याज

الْفَائِزُونَ ﴿۱۹﴾ لَوْ أَنزَلْنَا هَٰذَا الْقُرْآنَ عَلَىٰ جَبَلٍ

डोने वाले हैं. अगर डम इस कुर्आन को उतारते पडस पर

لَرَأَيْتَهُ خَاشِعًا مُّتَصَدِّعًا مِّنْ خَشْيَةِ اللَّهِ ۖ

तो आप उसे डर आजिजी करने वाला, अल्लाह के भौड़ की वजह से इटने वाला देजते.

وَتِلْكَ الْأَمْثَالُ لِنَاصِلِ النَّاسِ لَعَلَّهُمْ

और ये मिसालें हैं जो उम्र-सानों के लिये बयान करते हैं ताके वो

يَتَفَكَّرُونَ ﴿٢٨﴾ هُوَ اللهُ الَّذِي لَا إِلَهَ إِلَّا هُوَ ۚ

सोचें. वही अल्लाह वो है जिस के सिवा कोई माबूद नहीं.

عِلْمُ الْغَيْبِ وَالشَّهَادَةِ ۚ هُوَ الرَّحْمَنُ الرَّحِيمُ ﴿٢٩﴾

वो आखिर और छुपी हुई चीजों को जानने वाला है. वो बड़ा मेहरबान, निहायत रहम वाला है.

هُوَ اللهُ الَّذِي لَا إِلَهَ إِلَّا هُوَ ۚ الْمَلِكُ الْقَدُّوسُ

वही अल्लाह है जिस के सिवा कोई माबूद नहीं. वो बादशाह है, सब औंनों से पाक है,

السَّلَامُ الْمُؤْمِنُ الْمُهَيَّمِنُ الْعَزِيزُ الْجَبَّارُ الْمُتَكَبِّرُ ۗ

सलामती वाला है, अमन देने वाला है, निगेडबान है, जबरदस्त है, कुव्वत वाला है, बडाई वाला है.

سُبْحَانَ اللهِ عَمَّا يُشْرِكُونَ ﴿٣٠﴾ هُوَ اللهُ الْخَالِقُ

अल्लाह उन के शरीक ठेहराने से पाक है. वही अल्लाह है जो बिल्कत को बनाने वाला,

الْبَارِئُ الْمُصَوِّرُ لَهُ الْأَسْمَاءُ الْحُسْنَى ۗ يُسَبِّحُ لَهُ

पैदा करने वाला, सूरतें बनाने वाला है, उस के लिये अच्छे अच्छे नाम हैं. उस की तस्बीह पण्डती हैं वो

مَا فِي السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ ۚ وَهُوَ الْعَزِيزُ الْحَكِيمُ ﴿٣١﴾

तमाम चीजें जो आस्मानों में हैं और जो जमीन में हैं. और वो जबरदस्त है, छिकमत वाला है.

﴿٢٨﴾ ﴿٢٩﴾ ﴿٣٠﴾ ﴿٣١﴾

और २ रुकूअ हैं सूराअे मुत्तहिना मदीना में नाजिल हुई उस में १३ आयतें हैं

بِسْمِ اللهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ۝

पण्डता हुं अल्लाह का नाम ले केर जो बड़ा मेहरबान, निहायत रहम वाला है

يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا لَا تَتَّخِذُوا عَدُوِّي وَعَدُوَّكُمْ

ओ ईमान वालो! मेरे और अपने दुश्मन को दोस्त मत

أَوْلِيَاءَ تُلْقُونَ إِلَيْهِم بِالْمَوَدَّةِ وَقَدْ كَفَرُوا

बनाओ, तुम उन को दोस्ती से पैगाम भेजते हो डालांके उनहों ने कुड़ किया

بِمَا جَاءَكُمْ مِنَ الْحَقِّ ۚ يُخْرِجُونَ الرَّسُولَ وَإِيَّاكُمْ

उस डक के साथ जो तुम्हारे पास आया. वो रसूल को और तुम्हें भी निकालते हैं

أَنْ تُوْمِنُوا بِاللّٰهِ رَبِّكُمْ إِنْ كُنْتُمْ خَرَجْتُمْ جِهَادًا

ईस वजह से के तुम अपने रब अल्लाह पर ईमान रभते हो. अगर तुम मेरे रास्ते में और मेरी रजा

فِي سَبِيلِيْ وَابْتِغَاءَ مَرْضَاتِيْ تُسِرُّوْنَ إِلَيْهِمْ بِالْبُودَةِ ۝

की तलब में जिहाद के लिये निकले हो, फिर तुम उन की तरफ़ युपके युपके मडल्लत का पैगाम भेजते हो.

وَإِنَّا أَعْلَمُ بِمَا أَخْفَيْتُمْ وَمَا أَعْلَنْتُمْ وَمَنْ يَّفْعَلْهُ

हलांके मैं भूब जानता हूँ उस को जो तुम ने छुपाया और जो ज़ाहिर किया. और जो तुम में से ऐसा

مِنْكُمْ فَقَدْ ضَلَّ سَوَاءَ السَّبِيلِ ۝ إِنْ يَشْقُوْكُمْ

करेगा तो यकीनन वो सीधे रास्ते से गुमराह हो गया. अगर वो तुम पर कुदरत पा लें

يَكُوْنُوْا لَكُمْ أَعْدَاءً وَيَبْسُطُوْا إِلَيْكُمْ أَيْدِيَهُمْ

तो वो तुम्हारे दुश्मन बन जायें और तुम्हारी तरफ़ अपने हाथ और अपनी ज़बानें

وَالسِّنْتَهُمْ بِالسُّوْءِ وَوَدُّوْا لَوْ تَكْفُرُوْنَ ۝ لَنْ تَنْفَعَكُمْ

भुराई के साथ यलायें और वो तो याहते हैं के तुम काफ़िर बन जाओ. दरगिज़ तुम्हें नफ़ा नहीं देगी

أَرْحَامَكُمْ وَلَا أَوْلَادَكُمْ ۝ يَوْمَ الْقِيَامَةِ ۝ يَفْصِلُ بَيْنَكُمْ

तुम्हारी रिश्तेदारियां और न तुम्हारी औलाद कयामत के दिन. वो तुम्हारे दरमियान इसला करेगा.

وَاللّٰهُ بِمَا تَعْمَلُوْنَ بَصِيْرٌ ۝ قَدْ كَانَتْ لَكُمْ أَسُوَّةٌ

और अल्लाह तुम्हारे आमाह देभ रहे हैं. तुम्हारे लिये ईब्राहीम (अलैहिस्सलाम)

حَسَنَةٌ فِيْ إِبْرٰهِيْمَ وَالَّذِيْنَ مَعَهُ إِذْ قَالُوا

में और उन में जो उन के साथ थे अच्छा नमूना है. जब उनहों ने अपनी

لِقَوْمِهِمْ إِنَّا بُرَءٌوَأَمْنَكُمْ وَمِمَّا تَعْبُدُوْنَ

कौम से कडा के हम तुम से बरी हैं और उन से भी बरी हैं जिन की तुम अल्लाह के

مِنْ دُونِ اللّٰهِ كَفَرْنَا بِكُمْ وَبَدَا بَيْنَنَا وَبَيْنَكُمْ

सिवा ईबादत करते हो. हम ने तुम्हारे साथ कुड़ किया और हमारे और तुम्हारे दरमियान अदावत

الْعَدَاوَةِ وَالْبَغْضَاءِ أَبَدًا حَتَّى تُوْمِنُوا بِاللّٰهِ وَحْدَهُ

और भुग्न हमेशा के लिये ज़ाहिर हो गया जब तक के तुम यकता अल्लाह पर ईमान न लाओ,

إِلَّا قَوْلَ إِبْرٰهِيْمَ لِأَبِيهِ لَأَسْتَغْفِرَنَّ لَكَ وَمَا

मगर ईब्राहीम (अलैहिस्सलाम) का इरमान अपने अब्बा से के मैं ज़र तेरे लिये ईस्तिफ़ार करूंगा, और

أَمْلِكُ لَكَ مِنَ اللَّهِ مِنْ شَيْءٍ ۖ رَبَّنَا عَلَيْكَ تَوَكَّلْنَا

مैं तेरे लिये अल्लाह से किसी भी चीज का इन्तियार नहीं रखता. ओ उमारे रब! उम ने तुज ही पर

وَالَيْكَ أَنْبَأْنَا وَإِلَيْكَ الْمَصِيرُ ۝ رَبَّنَا لَا تَجْعَلْنَا

तवक्कुल किया और तेरी ही तरफ़ तौबा करते हैं और तेरी ही तरफ़ लौटना है. ओ उमारे रब!

فِتْنَةً لِلَّذِينَ كَفَرُوا وَاعْفِرْ لَنَا رَبَّنَا ۚ إِنَّكَ أَنْتَ

उमें काफ़िरो का तप्तअे मश्क न बना और उमारी मगफ़िरत कर दे, ओ उमारे रब! यकीनन तू

الْعَزِيزُ الْحَكِيمُ ۝ لَقَدْ كَانَ لَكُمْ فِيهِمْ أُسْوَةٌ حَسَنَةٌ

जबरदस्त है, डिक्मत वाला है. यकीनन तुम्हारे लिये उन में अच्छा नमूना है

لِمَنْ كَانَ يَرْجُوا اللَّهَ وَالْيَوْمَ الْآخِرَ ۖ وَمَنْ يَتَوَلَّ

उस शम्स के लिये जो उम्मीद रखता हो अल्लाह की और आबिरी दिन की. और जो इगारहानी करेगा

فَإِنَّ اللَّهَ هُوَ الْعَزِيزُ الْحَمِيدُ ۝ عَسَى اللَّهُ أَنْ يَجْعَلَ

तो यकीनन अल्लाह वो बेनियाज है, काबिले तारीफ़ है. उम्मीद है के अल्लाह तुम्हारे

بَيْنَكُمْ وَبَيْنَ الَّذِينَ عَادَيْتُمْ مِنْهُمْ مَوَدَّةً ۖ وَاللَّهُ

और उन के दरमियान जिन से तुम्हें अदावत है, मडब्बत पैदा कर दे. और अल्लाह कुदरत

قَدِيرٌ ۖ وَاللَّهُ غَفُورٌ رَحِيمٌ ۝ لَا يَنْهَكُمُ اللَّهُ

वाला है. और अल्लाह बडोत जयादा भष्शने वाला, निडायत रडम वाला है. अल्लाह तुम्हें नहीं

عَنِ الَّذِينَ لَمْ يُقَاتِلُوكُمْ فِي الدِّينِ وَلَمْ يُخْرِجُوكُمْ

रोकता उन से जिन्हों ने तुम से दीन में किताल नहीं किया और तुम्हें अपने घरों से

مِنْ دِيَارِكُمْ أَنْ تَبَرُّوهُمْ وَتُقْسِطُوا إِلَيْهِمْ ۖ

नहीं निकाला, (ईस से नहीं रोकता) के तुम उन के साथ ओडसान करो और तुम उन के साथ ई-साफ़

إِنَّ اللَّهَ يُحِبُّ الْمُقْسِطِينَ ۝ إِنَّمَا يَنْهَكُمُ اللَّهُ

करो. यकीनन अल्लाह ई-साफ़ करने वालों से मडब्बत करते हैं. अल्लाह तुम्हें सिर्फ़ रोकते हैं

عَنِ الَّذِينَ قَاتَلُوكُمْ فِي الدِّينِ وَأَخْرَجُوكُمْ

उन से जिन्हों ने तुम से दीन में किताल किया और तुम्हें अपने घरों से

مِنْ دِيَارِكُمْ وَظَهَرُوا عَلَىٰ إِخْرَاجِكُمْ أَنْ تَوَلَّوْهُمْ ۚ

निकाला और तुम्हारे निकालने पर दूसरों की मदद की, (रोकता है ईस से) के तुम उन से दोस्ती करो.

وَمَنْ يَتَوَلَّهُمْ فَأُولَئِكَ هُمُ الظَّالِمُونَ ﴿٩﴾ يَا أَيُّهَا

और जो उन से दोस्ती रभेगा तो यही लोग जालिम हैं। अ

الَّذِينَ آمَنُوا إِذَا جَاءَكُمْ الْمُؤْمِنَاتُ مُهَاجِرَاتٍ

ईमान वाली! जब तुम्हारे पास मोमिन औरतें छिजरत कर के आयें,

فَأَمْتَحِنُوهُنَّ ۗ اللَّهُ أَعْلَمُ بِإِيمَانِهِنَّ ۗ فَإِنْ عَلِمْتُمُوهُنَّ

तो उन का ईमतिदान ले लो। अल्लाह उन के ईमान को भूख जानता है। फिर अगर तुम उन को मोमिन

مُؤْمِنَاتٍ فَلَا تَرْجِعُوهُنَّ إِلَى الْكُفَّارِ ۚ لَا هُنَّ حِلٌّ

जान लो तो उन को काफ़िरो की तरफ़ वापस मत लौटाओ। न ये मोमिन औरतें उन के लिये उलाल

لَهُمْ وَلَا هُمْ يَحِلُّونَ لَهُنَّ ۗ وَاتُّوهُم مَّا أَنْفَقُوا ۗ

हैं और न वो उन के लिये उलाल हैं। और काफ़िरो को दो वो जो उनको ने भर्य किया है।

وَلَا جُنَاحَ عَلَيْكُمْ أَنْ تَنْكِحُوهُنَّ إِذَا آتَيْتُمُوهُنَّ

और तुम पर कोई गुनाह नहीं है के तुम उन औरतों से निकाह करो जब उन को उन के मउर

أُجُورَهُنَّ ۗ وَلَا تُمْسِكُوا بِعَصَمِ الْكُوفَارِ ۚ وَسَأَلُوا

दो दो। और काफ़िर औरतों के नामूस अपने कब्जे में मत रभो और मांग लो वो जो

مَّا أَنْفَقْتُمْ وَلَيْسَ لَكُمْ أَنْفَقُوا ۗ ذَلِكُمْ حُكْمُ اللَّهِ ۗ

तुम ने भर्य किया है और उनको भी यादिये के वो मांग लें जो उनको ने भर्य किया है। ये अल्लाह का हुकम है।

يُحْكَمُ بَيْنَكُمْ ۗ وَاللَّهُ عَلِيمٌ حَكِيمٌ ﴿١٠﴾ وَإِنْ فَاتَكُمْ

अल्लाह तुम्हारे दरयिमान इसला करता है। और अल्लाह ईल्म वाला, छिकमत वाला है। और अगर

شَيْءٌ مِّنْ أَزْوَاجِكُمْ إِلَى الْكُفَّارِ فَعَاقِبْتُمْ فَاتُوا

तुम्हारी भीवियों में से कोई भीवी काफ़िरो की तरफ़ यली जाओ, फिर तुम सजा दो, तो दो

الَّذِينَ ذَهَبَتْ أَزْوَاجُهُمْ مِّثْلَ مَا أَنْفَقُوا ۗ وَاتَّقُوا

उन को जिन की भीवियां यली गई हैं उस के मानिन्द जो उन मुसलमान शौहरों ने भर्य किया था। और

اللَّهُ الَّذِي أَنْتُمْ بِهِ مُؤْمِنُونَ ﴿١١﴾ يَا أَيُّهَا النَّبِيُّ

अल्लाह से डरो जिस पर तुम ईमान रभते हो। अ नबी (सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लम)! जब आप के

إِذَا جَاءَكَ الْمُؤْمِنَاتُ يُبَايِعْنَكَ عَلَىٰ أَنْ لَا يُشْرِكْنَ

पास मोमिन औरतें आयें के आप से बैअत करें इस पर के वो अल्लाह के साथ शरीक नहीं

بِاللَّهِ شَيْئًا وَلَا يَسْرِقَنَّ وَلَا يَزْنِينَ وَلَا يَقْتُلَنَّ

ठहरायेगी किसी चीज को और चोरी नहीं करेगी और जिना नहीं करेगी और अपनी औलाद को कत्ल

أَوْلَادَهُنَّ وَلَا يَأْتِينَ بِبُهْتَانٍ يَفْتَرِينَهُ بَيْنَ أَيْدِيهِنَّ

नहीं करेगी और बोधतान नहीं बाँधेगी जिस को वो घरे अपने हाथों और पैरों

وَأَرْجُلِهِنَّ وَلَا يَعْصِيَنَّ فِي مَعْرُوفٍ فَبَايِعُنَّ

के सामने और आप की किसी नेक काम में नाइरमानी नहीं करेगी, तो आप उन को बैअत इरमा

وَاسْتَعْفَرَ لَهُنَّ اللَّهُ ۗ إِنَّ اللَّهَ غَفُورٌ رَحِيمٌ ﴿١٣﴾ يَا أَيُّهَا

लीजिये और उन के लिये अल्लाह से इस्तिफार कीजिये. यकीनन अल्लाह बप्शने वाला, निहायत

الَّذِينَ آمَنُوا لَا تَتَوَلَّوْا قَوْمًا غَضِبَ اللَّهُ عَلَيْهِمْ قَدْ يَسُؤُوا

रहम वाला है. ओ इमान वालो! दोस्ती मत रभो उस कौम से जिन पर अल्लाह का गज़ब है जो आभिरत से

مِنَ الْآخِرَةِ كَمَا يَبِيسُ الْكُفَّارُ مِنْ أَصْحَابِ الْقُبُورِ ﴿١٤﴾

मायूस हो चुके हैं जिस तरह के काफिर कफ़्र वालों से मायूस हो चुके हैं.

يَا أَيُّهَا ١٣ (٦١) سُورَةُ الصَّفِّ كَاتِبًا (١٠٩) رُكُوعَاتُهَا ٢

और २ रुकूअ हैं सूराअ सफ़ मदीना में नाज़िल हुइ उस में १४ आयतें हैं

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ۝

पण्डता हुं अल्लाह का नाम ले कर जो बडा मेहरबान, निहायत रहम वाला है

سَبَّحَ لِلَّهِ مَا فِي السَّمٰوٰتِ وَمَا فِي الْاَرْضِ ۗ وَهُوَ الْعَزِيزُ

अल्लाह की तस्बीह पण्डती हैं वो तमाम चीजें जो आस्मानों में हैं और जो जमीन में हैं. और वो

الْحَكِيمُ ۝ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا لِمَ تَقُولُونَ

जबरदस्त है, डिकमत वाला है. ओ इमान वालो! कयूं केहते हो वो बातें जो तुम षुइ

مَا لَا تَفْعَلُونَ ۚ كَبُرَ مَقْتًا عِنْدَ اللَّهِ أَنْ تَقُولُوا

करते नहीं? अल्लाह के नजदीक बेजारी के अतेबार से बडोत बडी है ये बात के तुम कडो

مَا لَا تَفْعَلُونَ ۚ إِنَّ اللَّهَ يُحِبُّ الَّذِينَ يُقَاتِلُونَ

वो जो तुम करो नहीं. यकीनन अल्लाह दोस्त रभते हैं उन को जो किताल करते हैं

فِي سَبِيلِهِ صَفًّا كَأَنَّهُمْ بُنْيَانٌ مَّرْصُومٌ ۝ وَآذُ

अल्लाह के रास्ते मे सफ़ बांध कर गोया के वो सीसा पिवाइ हुइ दीवार है. और जब मूसा (अलैहिस्सलाम)

التَّبٰوٰة

قَالَ مُوسَى لِقَوْمِهِ يَقَوْمٍ لِمَ تُوذُّونَنِي وَقَدْ تَعْلَمُونَ

ने अपनी कौम से इरमाया अे मेरी कौम! मुजे कयूं एजा देते हो डावांकें तुम जानते हो के

إِنِّي رَسُولُ اللَّهِ إِلَيْكُمْ ۖ فَلَمَّا زَاغُوا أَزَاغَ اللَّهُ

मैं अल्लाह का तुम्हारी तरफ़ भेजा हुआ पैगम्बर हूँ. फिर जब वो टेण्डे यले तो अल्लाह ने उन के दिल टेण्डे

قُلُوبَهُمْ ۖ وَاللَّهُ لَا يَهْدِي الْقَوْمَ الْفَاسِقِينَ ۝

कर दिये. और अल्लाह नाइरमान कौम को डिहायत नहीं देते.

وَإِذْ قَالَ عِيسَى ابْنُ مَرْيَمَ يَبْنِي إِسْرَائِيلَ إِنِّي رَسُولُ

और जब के ईसा एब्ने मरयम (अलैहिस्सलाम) ने कडा अे बनी ईस्राएल! मैं तुम्हारी तरफ़ अल्लाह

اللَّهُ إِلَيْكُمْ مُصَدِّقًا لِمَا بَيْنَ يَدَيْ مِنَ التَّوْرَةِ

का भेजा हुआ पैगम्बर हूँ, उस तौरात को सख्या बतलाने वाला हूँ जो मुज से पेहले थी

وَمُبَشِّرًا بِرَسُولٍ يَأْتِي مِنْ بَعْدِي اسْمُهُ أَحْمَدٌ ۖ

और मैं उस रसूल की बशारत देता हूँ जो मेरे बाद आयेंगे जिन का नाम अहमद होगा.

فَلَمَّا جَاءَهُمْ بِالْبَيِّنَاتِ قَالُوا هَذَا سِحْرٌ مُّبِينٌ ۝ وَمَنْ

फिर जब वो उन के पास रोशन मोअजिजात ले कर आये तो उन्हों ने कडा के ये तो भुला जादू है.

أَظْلَمُ مِمَّنْ افْتَرَى عَلَى اللَّهِ الْكَذِبَ وَهُوَ يُدْعَى

और उस से जयादा जालिम कौन होगा जो अल्लाह पर जूठ घडे जब के उसे ईस्लाम की

إِلَى الْإِسْلَامِ ۖ وَاللَّهُ لَا يَهْدِي الْقَوْمَ الظَّالِمِينَ ۝

तरफ़ दावत दी जा रही हो? और अल्लाह जालिम कौम को डिहायत नहीं देते.

يُرِيدُونَ لِيُطْفِئُوا نُورَ اللَّهِ بِأَفْوَاهِهِمْ ۖ وَاللَّهُ

वो ये याडते हैं के वो अल्लाह के नूर को अपने मुँह से भुजा दें. और अल्लाह

مَتِّمٌ نُّورِهِ ۖ وَلَوْ كَرِهَ الْكَافِرُونَ ۝ هُوَ الَّذِي أَرْسَلَ

अपने नूर को एतमाम तक पडोयाने वाला है अगरये काफिर नापसन्द करें. वही अल्लाह है जिस ने

رَسُولَهُ بِالْهُدَىٰ وَدِينِ الْحَقِّ لِيُظْهِرَهُ

अपना रसूल डिहायत और दीने हक दे कर भेजा ताके वो उसे गालिब कर दे

عَلَى الدِّينِ كُلِّهِ وَلَوْ كَرِهَ الْمُشْرِكُونَ ۝ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ

तमाम अदयान पर अगरये मुशरिक भुरा मानें. अे एमान

أَمِنُوا هَلْ أَدُلُّكُمْ عَلَى تِجَارَةٍ تُنْجِيكُمْ مِنْ عَذَابٍ

वालो! क्या मैं तुम्हें ऐसी तिजारात बतलाऊँ जो तुम को नजात दे दहनाक अजाब

الْيَوْمِ ۝ تُوْمِنُونَ بِاللَّهِ وَرَسُولِهِ وَتُجَاهِدُونَ

से? ईमान लाओ अल्लाह पर और उस के पैगम्बर पर और तुम

فِي سَبِيلِ اللَّهِ بِأَمْوَالِكُمْ وَأَنْفُسِكُمْ ۖ ذَلِكُمْ خَيْرٌ

अल्लाह के रास्ते में अपने मालों और अपनी जानों के जरिये ज़िहाद करो. ये तुम्हारे लिये

لَكُمْ إِنْ كُنْتُمْ تَعْلَمُونَ ۝ يَغْفِرْ لَكُمْ ذُنُوبَكُمْ

बेहतर है अगर तुम्हें समझ है. तो वो तुम्हारे लिये तुम्हारे गुनाह बप्श देगा

وَيُدْخِلَكُمْ جَنَّاتٍ تَجْرِي مِنْ تَحْتِهَا الْأَنْهَارُ

और वो तुम्हें ऐसी जन्नतों में दाखिल करेगा जिन के नीचे से नहरें बहती होंगी

وَمَسْكِنٍ طَيِّبَةٍ فِي جَنَّاتٍ عَدْنٍ ۖ ذَلِكَ الْفَوْزُ

और उमदा रेहने के मकानात में (दाखिल करेगा) जन्नाते अदन में. ये बडी

الْعَظِيمِ ۝ وَأُخْرَىٰ تُحِبُّونَهَا ۖ نَصْرٌ مِنَ اللَّهِ وَفَتْحٌ

काम्याबी है. और अक दूसरी नेअमत मिलेगी जो तुम्हें पसन्द है, वो अल्लाह की तरफ से नुस्रत

قَرِيبٌ ۖ وَبَشِيرِ الْمُؤْمِنِينَ ۝ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا

और करीबी इतह है. और ईमान वालों को बशारत सुना दीजिये. ओ ईमान वालो!

كُونُوا أَنْصَارَ اللَّهِ كَمَا قَالَ عِيسَى ابْنُ مَرْيَمَ

अल्लाह के मददगार बन जाओ जैसा के इसा इब्ने मरयम (अलैहिस्सलाम) ने उवारीय्हीन से

لِلْحَوَارِيِّنَ مِنْ أَنْصَارِيٍّ إِلَى اللَّهِ ۖ قَالَ الْحَوَارِيُّونَ

इरमाया था कौन हैं मेरे मददगार अल्लाह की तरफ? उवारीय्हीन ने कडा के

نَحْنُ أَنْصَارُ اللَّهِ فَأَمَنْتَ طَائِفَةٌ مِنْ بَنِي

हम अल्लाह के मददगार हैं. फिर बनी इस्राईल की अक जमाअत ईमान

إِسْرَائِيلَ وَكَفَرَتْ طَائِفَةٌ ۖ فَأَيَّدْنَا الَّذِينَ

लाई और अक जमाअत ने कुइ किया. तो हम ने ईमान वालों को

آمَنُوا عَلَىٰ عَدُوِّهِمْ فَاصْبَحُوا ظَاهِرِينَ ۝

उन के दुश्मन के बिलाइ कुवत दी, पस वो गाबिब रहे.

رُكُوعَاتُهَا ٢ और २ रुकूअ हैं	(१२) سُورَةُ الْجُمُعَةِ مَكِّيَّةٌ (١١٠) सूरअे जुमुआ मदीना में नाजिल हुई	آيَاتُهَا ١١ उस में ११ आयतें हैं
بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ पण्डता हुं अल्लाह का नाम ले कर जो भडा मेहरबान, निडायत रहम वाला है		
يُسَبِّحُ لِلَّهِ مَا فِي السَّمَوَاتِ وَمَا فِي الْأَرْضِ الْمَلِكِ अल्लाह की तस्बीह करती हैं वो तमाम चीजें जो आस्मानों में और जमीन में हैं, उस अल्लाह की जो		
الْقُدُّوسِ الْعَزِيزِ الْحَكِيمِ ۝ هُوَ الَّذِي بَعَثَ बादशाह है, तमाम उयूब से पाक है, जबरदस्त है, डिक्मत वाला है. वही अल्लाह है जिस ने उम्मीयों में		
فِي الْأَمْمَانِ رَسُولًا مِّنْهُمْ يَتْلُوا عَلَيْهِمْ آيَاتِهِ وَيُزَكِّيهِمْ उन्ही में से अेक पैगम्बर भेजा जो उन पर अल्लाह की आयतें तिलावत करते हैं और उन का		
وَيُعَلِّمُهُمُ الْكِتَابَ وَالْحِكْمَةَ ۚ وَإِنْ كَانُوا مِنْ قَبْلُ तजकिया करते हैं और उन्हे किताब और डिक्मत की तालीम देते हैं. और यकीनन वो ँस से पेडले		
لَفِي ضَلَالٍ مُّبِينٍ ۝ وَآخَرِينَ مِنْهُمْ لَبَّا يَلْحَقُوا بِهِمْ ۗ भुली गुमराही में थे. और उन में से दूसरों की तरफ़ ली भेजा है जो अभी उन से मिले नहीं.		
وَهُوَ الْعَزِيزُ الْحَكِيمُ ۝ ذَٰلِكَ فَضْلُ اللَّهِ يُؤْتِيهِ और वो जबरदस्त है, डिक्मत वाला है. ये अल्लाह का इजल है, उसे देता है		
مَنْ يَشَاءُ ۗ وَاللَّهُ ذُو الْفَضْلِ الْعَظِيمِ ۝ مَثَلُ जिसे चाहता है. और अल्लाह त्तारी इजल वाला है. उन लोगों का		
الَّذِينَ حَمَلُوا التَّوْرَةَ ثُمَّ لَمْ يَحْمِلُوهَا كَثِلَ डाल जिन पर तौरात लादी गई, फिर उन्हों ने उस को नहीं उठाया उस गधे		
الْحِمَارِ يَحْمِلُ أَسْفَارًا ۚ بِئْسَ مَثَلُ الْقَوْمِ الَّذِينَ की तरह है जो दस्तरो को उठाये हुवे डो. भुरी है उस कौम की मिसाल जिस ने		
كَذَّبُوا بِآيَاتِ اللَّهِ وَاللَّهُ لَا يَهْدِي الْقَوْمَ الظَّالِمِينَ ۝ अल्लाह की आयतों को ज़ुठलाया. और अल्लाह जालिम कौम को डिदायत नहीं देते.		
قُلْ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ هَادُوا إِنْ زَعَمْتُمْ أَنْكُمْ أَوْلِيَاءُ आप इरमा दीजिये अे यदूदियो! अगर तुम्हारा ये दावा है के तुम अल्लाह के दोस्त		

لِلَّهِ مِنْ دُونِ النَّاسِ فَتَمَنَّوْا الْمَوْتَ إِنْ كُنْتُمْ

હો और ઈ-સાનોં કો છોડ કર, તો તુમ મૌત કી તમન્ના કરો અગર તુમ સચ્ચે હો.

صَادِقِينَ ۝ وَلَا يَتَمَنَّوْنَهَا أَبَدًا بِمَا قَدَّمْت أَيْدِيَهُمْ ۗ

और ये लोग कभी भी मौत की तमन्ना नहीं करेंगे उन आमाલ की वजह से जो उन के हाथ आगे

وَاللَّهُ عَلِيمٌ بِالظَّالِمِينَ ۝ قُلْ إِنْ الْمَوْتَ الَّذِي

ભેજ ચુકે હૈં. और अल्लाહ जालिमों को ખુબ જાનતે હૈં. ફરમા દીજિયે યકીનન વો મૌત જિસ

تَفَرَّوْنَ مِنْهُ فَاتَهُ مَلَقِيكُمْ ثُمَّ تَرَدُّوْنَ إِلَىٰ عِلْمِ

સે તુમ ભાગતે હો ઝરૂર વો તુમ સે મિલ કર રહેગી, ફિર તુમ પોશીદા और ઝાહિર કે જાનને વાલે

الْغَيْبِ وَالشَّهَادَةِ فَيُنَبِّئُكُمْ بِمَا كُنْتُمْ تَعْمَلُونَ ۝

अल्लाહ की જાનિબ લૌટાએ જાઓગે, ફિર વો તુમહૈં તુમહારે આમાલ કી ખબર દેગા.

يَأَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا إِذَا نُودِيَ لِلصَّلَاةِ مِنْ يَوْمِ

એ ઈમાન વાલો! જબ જુમુઆ કે દિન કી નમાઝ કી અઝાન દી જાએ,

الْجُمُعَةِ فَاسْعَوْا إِلَىٰ ذِكْرِ اللَّهِ وَذَرُوا الْبَيْعَ ۗ

તો અલ્લાહ કે ઝિક્ર કી તરફ દૌડો और ખરીદ વ ફરોખત કો છોડ દો.

ذَلِكُمْ خَيْرٌ لَكُمْ إِنْ كُنْتُمْ تَعْلَمُونَ ۝ فَإِذَا قُضِيَتِ

યે તુમહારે લિયે બેહતર હૈં અગર તુમ જાનતે હો. ફિર જબ નમાઝ ખત્મ હો જાએ,

الصَّلَاةُ فَانْتَشِرُوا فِي الْأَرْضِ وَابْتَغُوا مِنْ فَضْلِ

તો ઝમીન મેં ફૈલ જાઓ और અલ્લાહ કા ફઝલ તલબ

اللَّهِ وَاذْكُرُوا اللَّهَ كَثِيرًا لَعَلَّكُمْ تُفْلِحُونَ ۝

કરો और અલ્લાહ કો બહોત ઝયાદા યાદ કરો તાકે તુમ ફલાહ પાઓ. और જબ વો તિજારત

وَإِذَا رَأَوْا تِجَارَةً أَوْ لَهْوًا ۖ انفَضُّوا إِلَيْهَا وَتَرَكُوكَ

યા અલ્લાહ સે ગાફિલ કરને વાલી કોઈ ચીઝ દેખતે હૈં તો ઉસ કી તરફ દૌડ પડતે હૈં और આપ કો ખડા

قَائِمًا ۗ قُلْ مَا عِنْدَ اللَّهِ خَيْرٌ مِنَ اللَّهِ ۗ

હુવા છોડ જાતે હૈં. આપ ફરમા દીજિયે જો અલ્લાહ કે પાસ હૈં વો અલ્લાહ સે ગાફિલ કરને વાલી ચીઝો સે બેહતર હૈં

وَمِنَ التِّجَارَةِ ۗ وَاللَّهُ خَيْرُ الرَّازِقِينَ ۝

और तिजારत સે બેહતર હૈં. और અલ્લાહ બેહતરીન રોઝી દેને વાલા હૈં.

اور ۲ رکوع ہیں اور ۲ رکوع ہیں	سُوْرَةُ الْمُنْفِقُوْنَ (۶۳) (۱۰۴) سُوْرَةُ الْمُنْفِقُوْنَ (۶۳) (۱۰۴) سُوْرَةُ الْمُنْفِقُوْنَ (۶۳) (۱۰۴)	آیاتھا ۱۱ ۱۱ آیات ۱۱ آیات
<p style="text-align: center;">بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ</p> <p style="text-align: center;">پہلے اللہ کے نام سے شروع کرتے ہیں اور پھر اللہ کے نام سے شروع کرتے ہیں</p>		
<p style="text-align: center;">إِذَا جَاءَكَ الْمُنْفِقُونَ قَالُوا نَشْهَدُ إِنَّكَ لَرَسُولُ اللَّهِ</p> <p style="text-align: center;">جب منافق آپ کے پاس آتے ہیں تو کہتے ہیں کہ ہم گواہی دیتے ہیں کہ یقیناً آپ اللہ کے</p>		
اللہ کے رسول ہیں۔	<p style="text-align: center;">اللَّهُ وَاللَّهُ يَعْلَمُ إِنَّكَ لَرَسُولُهُ وَاللَّهُ يَشْهَدُ</p> <p style="text-align: center;">اللہ اور اللہ جانتا ہے کہ آپ اللہ کے رسول ہیں اور اللہ گواہی دیتا ہے</p>	
<p style="text-align: center;">إِنَّ الْمُنْفِقِينَ كَذِبُونَ ۝ اتَّخَذُوا أَيْمَانَهُمْ جُنَّةً</p> <p style="text-align: center;">کہ یہ منافق جھوٹے ہیں۔ انہوں نے اپنی قسموں کو ڈال بنا رہا ہے،</p>		
<p style="text-align: center;">فَصَدَّوْا عَنْ سَبِيلِ اللَّهِ إِنَّهُمْ سَاءَ مَا كَانُوا</p> <p style="text-align: center;">پھر وہ اللہ کے راستے سے روکتے ہیں۔ یقیناً پھر وہ جو کام وہ</p>		
<p style="text-align: center;">يَعْمَلُونَ ۝ ذَلِكِ بِأَيْمَانِهِمْ آمَنُوا ثُمَّ كَفَرُوا فَطُبِعَ</p> <p style="text-align: center;">کرتے رہے ہیں۔ یہ اس وجہ سے کہ وہ ایمان لائے، پھر کافر بن گئے، تو ان کے دلوں پر مہر</p>		
<p style="text-align: center;">عَلَى قُلُوبِهِمْ فَمَنْ لَا يُفْقَهُونَ ۝ وَإِذَا رَأَيْتَهُمْ تُعْجِبُكَ</p> <p style="text-align: center;">لگا دی گئی، اب وہ سمجھتے نہیں۔ اور جب آپ ان کو دیکھیں تو ان کے جسم آپ کو</p>		
<p style="text-align: center;">أَجْسَامُهُمْ ۝ وَإِنْ يَقُولُوا تَسْمَعُ لِقَوْلِهِمْ ۝ كَانَتْهُمْ</p> <p style="text-align: center;">اگرچہ سمجھیں گے۔ اور اگر وہ کہیں تو آپ ان کی بات سنیں گے۔ گویا کہ وہ</p>		
<p style="text-align: center;">خُشْبٌ مِّنْ سِدْرٍ ۝ يَحْسَبُونَ كُلَّ صَيْحَةٍ عَلَيْهِمْ ۝ هُمْ</p> <p style="text-align: center;">سڈارے سے ٹیکڑی لکڑیاں ہیں۔ وہ گمان کرتے ہیں ہر چیز کو اپنے اوپر۔ وہ</p>		
<p style="text-align: center;">الْعَدُوُّ فَاحْذَرُهُمْ ۝ قَاتِلْهُمْ اللَّهُ ۝ أَلَمْ يَأْتِ الْيُفُوكُونَ ۝</p> <p style="text-align: center;">دشمن ہیں، اس لیے آپ ان سے بچتے رہیں۔ اللہ ان کو مارے گا۔ کیا وہ اچھے نہیں تھے؟</p>		
<p style="text-align: center;">وَ إِذَا قِيلَ لَهُمْ تَعَالَوْا يَسْتَعْفِفْ لَكُمْ رَسُولُ اللَّهِ لَوْ أَوْ</p> <p style="text-align: center;">اور جب ان سے کہا جاتا ہے کہ آئیے، تو انہیں لگتا ہے کہ اللہ کے رسول آپ کے</p>		
<p style="text-align: center;">رُءُوسِهِمْ وَرَأَيْتَهُمْ يَصُدُّونَ وَهُمْ مُسْتَكْبِرُونَ ۝</p> <p style="text-align: center;">سر کے سامنے اور انہیں دیکھتے ہیں کہ وہ روکتے ہیں اور وہ تکبر کرتے ہیں۔</p>		

سَوَاءٌ عَلَيْهِمْ أَسْتَغْفَرْتَ لَهُمْ أَمْ لَمْ تَسْتَغْفِرْ لَهُمْ

उन के लिये बराबर है के आप उन के लिये ईस्तिफ़ार करें या उन के लिये ईस्तिफ़ार न करें।

لَنْ يَغْفِرَ اللَّهُ لَهُمْ إِنَّ اللَّهَ لَا يَهْدِي الْقَوْمَ

अल्लाह उन की उरगिळ मगफ़िरत नहीं करेगा. बेशक अल्लाह नाफ़रमान कौम को डिहायत नहीं दिया

الْفٰسِقِينَ ۝ هُمُ الَّذِينَ يَقُولُونَ لَا تُنْفِقُوا عَلٰی مَنْ

करते. ये वही हैं जो कहते हैं के तुम ખर्च मत करो उन पर जो

عِنْدَ رَسُولِ اللَّهِ حَتَّىٰ يَنْفَضُوا ۖ وَاللَّهُ خَزَائِنُ السَّمٰوٰتِ

अल्लाह के पैगम्बर के पास रेडते हैं ताके वो मुतफ़रि़क डो जअं. और अल्लाह के लिये आस्मानों

وَالْأَرْضِ وَلٰكِنَّ الْمُنْفِقِينَ لَا يَفْقَهُونَ ۝

और जमीन के भजाने हैं, लेकिन मुनाफ़िक समजते नहीं।

يَقُولُونَ لَئِنْ رَجَعْنَا إِلَى الْمَدِينَةِ لَيُخْرِجَنَّ

वो कहते हैं के अगर डम मदीना वापस गअे तो ईजजत वाला

الْأَعْرَضُ مِنْهَا الْأَذَلُّ ۖ وَاللَّهُ الْعَزِيزُ ۖ وَلِرَسُولِهِ

मदीना से जलील को निकाल देगा. डालांके ईजजत अल्लाह डी के लिये और उस के रसूल के लिये

وَالْمُؤْمِنِينَ وَلٰكِنَّ الْمُنْفِقِينَ لَا يَعْلَمُونَ ۝

और ईमान वालों के लिये है, लेकिन मुनाफ़िक जानते नहीं।

يٰۤأَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا لَا تُلْهِكُمْ أَمْوَالُكُمْ

अे ईमान वालो! तुम्हें तुम्हारे माल और तुम्हारी औलाह

وَلَا أَوْلَادُكُمْ عَنْ ذِكْرِ اللَّهِ ۖ وَمَنْ يَفْعَلْ ذٰلِكَ فَاُولٰٓئِكَ

अल्लाह के जिक से गाडिल न बना दें. और जो अैसा करेगा तो यडी

هُمُ الْخٰسِرُونَ ۝ وَأَنْفِقُوا مِنْ مَّا رَزَقْنَاكُمْ

भसारे वाले हैं. और डमारी डी डुई रोजी में से खर्च करो

مِنْ قَبْلِ أَنْ يَأْتِيَ أَحَدَكُمُ الْمَوْتُ فَيَقُولَ رَبِّ

ईस से पेडले के तुम में से किसी अेक की मौत आ जअे, फिर वो कडे अे मेरे रभ!

لَوْلَا أَخَّرْتَنِي إِلَىٰ أَجَلٍ قَرِيبٍ ۖ فَأَصَدَّقَ وَأَكُن مِّن

तू ने मुजे करीबी मुदत तक मोडलत कयूं नहीं डी के मैं सडका करता और नेक लोगों में

الصَّالِحِينَ ۝ وَلَنْ يُؤَخَّرَ اللَّهُ نَفْسًا إِذَا جَاءَ

से बन जाता. और अल्लाह किसी शप्स को जब उस का आभिरि वकत आ जाता है तो उसे डरगिज

أَجَلَهَا ۖ وَاللَّهُ خَبِيرٌ بِمَا تَعْمَلُونَ ۝

मोडलत नहीं देता. और अल्लाह तुम्हारे अमल से बाबबर है.

رُكُوعًا ۲

(۶۳) سُورَةُ الْقَابِ بِرَبِّهَا (۱۰۸)

آيَاتُهَا ۱۸

और २ रुकूअ हैं

सूरअे तगाबुन मदीना में नाजिल हुई

उस में १८ आयतें हैं

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ۝

पणलता हुं अल्लाह का नाम ले कर जो बडा मेडरबान, निडायत रडम वाला है

يُسَبِّحُ لِلَّهِ مَا فِي السَّمَوَاتِ وَمَا فِي الْأَرْضِ ۗ لَهُ

अल्लाह के लिये तस्बीह करती हैं वो सब चीजें जो आस्मानों और जमीन में हैं. उसी के लिये

الْمُلْكُ وَلَهُ الْحَمْدُ ۗ وَهُوَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ۝

सलतनत है और उसी के लिये तमाम तारीकें हैं. और वो डर चीज पर कुडरत वाला है.

هُوَ الَّذِي خَلَقَكُمْ فَمِنْكُمْ كَافِرٌ وَمِنْكُمْ مُؤْمِنٌ ۗ

उसी ने तुम्हें पैदा किया, फिर तुम में से कुछ काफिर हैं और तुम में से कुछ मोमिन हैं.

وَاللَّهُ بِمَا تَعْمَلُونَ بَصِيرٌ ۝ خَلَقَ السَّمَوَاتِ

और अल्लाह तुम्हारे अमल देब रडा है. उस ने आस्मानों और जमीन को

وَ الْأَرْضِ بِالْحَقِّ وَصَوَّرَكُمْ فَأَحْسَنَ صُورَكُمْ ۗ

पैदा किया डक के साथ और उस ने तुम्हारी सूरतें बनाई, फिर उस ने तुम्हारी सूरतें अरखी बनाई.

وَأَلَيْهِ الْمَصِيرُ ۝ يَعْلَمُ مَا فِي السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ

और उसी की तरफ लौटना है. अल्लाह जानता है उन तमाम चीजों को जो आस्मानों में हैं और जमीन

وَيَعْلَمُ مَا تُسْرُونَ وَمَا تُعْلِنُونَ ۗ وَاللَّهُ عَلِيمٌ

में हैं और अल्लाह जानता है जो कुछ तुम छुपा कर करते हो और जो अलानिया करते हो. और अल्लाह डिलों का

بِدَاتِ الصُّدُورِ ۝ أَلَمْ يَأْتِكُمْ نَبُؤُا الَّذِينَ كَفَرُوا

डाल भूब जानता है. क्या तुम्हारे पास उन लोगों की बबर नहीं आई जिन्हों ने

مِنْ قَبْلُ ۚ فَذَاقُوا وَبَالَ أَمْرِهِمْ وَلَهُمْ عَذَابٌ

ईस से पेडले कुइ किया. फिर उन्हों ने अपने किये का वबाल यभा और उन के लिये दईनाक

الْيَوْمَ ۝ ذَلِكِ بِأَنَّكَ كَانَتْ تَأْتِيهِمْ رُسُلُهُمْ

अजाब है. ये इस वजह से के उन के पास उन के पैगम्बर रोशन मोअजिजात ले कर

بِالْبَيِّنَاتِ فَقَالُوا أَبَشَرٌ يَهْدُونَنَا فَكَفَرُوا

आते थे, तो वो केहते थे के क्या बशर हमें रास्ता बतायेंगे? फिर उन्होंने ने कुड़ किया और इगारदानी

وَتَوَلَّوْا وَاسْتَعْنَى اللَّهُ وَاللَّهُ غَنِيٌّ حَمِيدٌ ۝ زَعَمَ

की और अल्लाह ने परवा नहीं की. और अल्लाह बेनियाज है, काबिले तारीफ़ है. काफ़िरो ने ये गुमान

الَّذِينَ كَفَرُوا أَنْ لَنْ يُبْعَثُوا ۝ قُلْ بَلَىٰ وَرَبِّي

कर रभा है के वो कफ़्रो से डरगिज उठाये नहीं जायेंगे. आप इरमा दीजिये कयूं नहीं! मेरे रब की कसम!

لَتُبْعَثُنَّ ثُمَّ لَتَأْتُنَّ بِمَا عَمِلْتُمْ ۝ وَذَلِكَ

तुम कफ़्रो से उर उठाये जाओगे, फिर तुम्हें तुम्हारे अमल की जबर दी जायेगी. और ये

عَلَى اللَّهِ يَسِيرٌ ۝ فَأَمِنُوا بِاللَّهِ وَرَسُولِهِ وَالنُّورِ الَّذِي

अल्लाह पर आसान है. इस लिये तुम इमान ले आओ अल्लाह पर और उस के पैगम्बर पर और

أَنْزَلْنَا ۝ وَاللَّهُ بِمَا تَعْمَلُونَ خَبِيرٌ ۝ يَوْمَ يَجْمَعُكُمْ

उस नूर पर जो हम ने उतारा है. और अल्लाह तुम्हारे आमाल से बाबबर है. जिस दिन वो तुम्हें

لِيَوْمِ الْجَمْعِ ذَلِكَ يَوْمُ التَّعَابُنِ ۝ وَمَنْ يُؤْمِنْ

ईकट्टा करेगा जमा होने के दिन में, वो डार जत का दिन होगा. और जो अल्लाह पर इमान

بِاللَّهِ وَيَعْمَلْ صَالِحًا يُكَفِّرْ عَنْهُ سَيِّئَاتِهِ

लायेगा और नेक अमल करता रहेगा, तो अल्लाह उस से उस की बुराईयां दूर कर देगा

وَيُدْخِلُهُ جَنَّاتٍ تَجْرِي مِنْ تَحْتِهَا الْأَنْهَارُ

और उसे जन्नतों में दाखिल करेगा जिन के नीचे से नहरें बहती होंगी,

خَالِدِينَ فِيهَا أَبَدًا ۝ ذَلِكِ الْفَوْزُ الْعَظِيمُ ۝

जिन में वो हमेशा रहेंगे. ये अजीम काम्याबी है.

وَ الَّذِينَ كَفَرُوا وَ كَذَّبُوا بِآيَاتِنَا أُولَٰئِكَ أَصْحَابُ

और वो लोग जिन्होंने ने कुड़ किया और हमारी आयतों को जूठलाया वही दोऊभी

النَّارِ خَالِدِينَ فِيهَا ۝ وَبِئْسَ الْبَصِيرُ ۝ مَا أَصَابَ

हैं, वो उस में हमेशा रहेंगे. और ये बुरी जगा है. कोई मुसीबत

مَنْ مُصِيبَةٍ إِلَّا بِإِذْنِ اللَّهِ ۖ وَمَنْ يُؤْمِنْ بِاللَّهِ

نہیٰں پھوئی تہیٰں مگر اذلاذ کے اذکرم سے. اور جو ایمان لائے اذلاذ پر

يَهْدِي قَلْبَهُ ۖ وَاللَّهُ بِكُلِّ شَيْءٍ عَلِيمٌ ۝

تو اذلاذ اس کے دل کو اذدايت دےگا. اور اذلاذ اذر اذیٰں کو اذوہ اذناتے اذے. اور اذلاذ

اللَّهُ وَأَطِيعُوا الرَّسُولَ ۚ فَإِنْ تَوَلَّيْتُمْ فَإِنَّمَا

اور رسوٰل کی اذتائت کرو. اذیر अगर तुम उगरदानी करो तो उमारे

عَلَىٰ رَسُولِنَا الْبَلْعُ الْمُبِينُ ۝ اللَّهُ لَا إِلَهَ إِلَّا هُوَ

پےگمبار کے اذیمے تو سیرک ساک ساک پھوئی تہیٰں دےنا اذے. اذلاذ کے سیرا کو اذیٰں مابوہ نہیٰں.

وَعَلَىٰ اللَّهِ فَلْيَتَوَكَّلِ الْمُؤْمِنُونَ ۝ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ

اور اذلاذ اذیٰں پر ایمان والوں کو تवकुल करना याडिये. اذے ایمان والوں!

أَمَنُوا إِنَّ مِنْ أَزْوَاجِكُمْ وَأَوْلَادِكُمْ عَدُوًّا لَكُمْ

यकीनन तुम्हारी भीवियों और तुम्हारी औलाद में से आज तुम्हारे दुश्मन अं,

فَاحْذَرُوهُمْ ۚ وَإِنْ تَعَفُّوا وَتَصْفَحُوا وَتَغْفِرُوا

तो तुम उन से अयते रहो. और अगर माक करो और दरगुजर करो और अफश हो तो

فَإِنَّ اللَّهَ غَفُورٌ رَحِيمٌ ۝ إِنَّمَا أَمْوَالُكُمْ

यकीनन अذलाذ अडोत अयादा अफशने वाला, नीडायत रहम वाला अं. तुम्हारे माल और तुम्हारी

وَأَوْلَادُكُمْ فِتْنَةٌ ۖ وَاللَّهُ عِنْدَآ أَجْرٌ عَظِيمٌ ۝

औलाद तो सिरक आजमाअश (क़ा अरिया) अं. और अذलाذ के पास अडा अजर अं.

فَاتَّقُوا اللَّهَ مَا اسْتَطَعْتُمْ وَأَسْمِعُوا وَأَطِيعُوا

तो अذलाذ से डरो अित्ना तुम से डो सके और सुनो और अुशी से मानो

وَأَنْفِقُوا خَيْرًا لِّأَنْفُسِكُمْ ۖ وَمَنْ يُوقِ شُحَّ

और अर्य करो, तो तुम्हारे लिये अी अेडतर डोगा. और जो अपने नकस के अुअल से अया

نَفْسِهِ فَأُولَٰئِكَ هُمُ الْمُفْلِحُونَ ۝

लिया अैअे, तो वडी लोग अलाड पाने वाले अं. अगर तुम अذलाड को

اللَّهُ قَرْضًا حَسَنًا يُّضَعْفُهُ لَكُمْ وَيَغْفِرْ لَكُمْ ۖ

अरुण कर्ज डोगे तो वो उस को कअ गुना कर के तुम्हें डेगा और तुम्हारी मगअिरत कर डेगा.

وَاللَّهُ شَكُورٌ حَلِيمٌ ﴿١٤﴾ عِلْمُ الْغَيْبِ وَالشَّهَادَةِ

और अल्लाह कदर करने वाला, छिद्रम वाला है। वो ग़रिब और पोशीदा जानने वाला है,

الْعَزِيزُ الْحَكِيمُ ﴿١٥﴾

अबरदस्त है, छिकमत वाला है।

رُكُوعًا ٢

(٦٥) سُورَةُ الطَّلَاقِ وَمَا تَنَزَّلَتْ فِيهَا (٩٩)

آيَاتُهَا ١٢

और २ रुकूअ हैं

सूरअे तलाक मदीना में नाज़िल हुई

उस में १२ आयतें हैं

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ۝

पण्डता हुं अल्लाह का नाम ले कर जो भडा मेहरभान, निडायत रहम वाला है

يَا أَيُّهَا النَّبِيُّ إِذَا طَلَّقْتُمُ النِّسَاءَ فَطَلِّقُوهُنَّ

अे नबी (सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लम)! जब तुम औरतो को तलाक देने लगो तो उन को तुम तलाक

لِعَدَّتِهِنَّ وَأَحْصُوا الْعِدَّةَ ۚ وَاتَّقُوا اللَّهَ رَبَّكُمْ ۚ

हो उन की छदत पर और छदत शुमार करो. और अल्लाह से डरो जो तुम्हारा रभ है.

لَا تَخْرُجُوهُنَّ مِنْ بُيُوتِهِنَّ وَلَا يُخْرَجْنَ

तुम उन को उन के घरों से मत निकालो और वो भुद भी न निकलें

إِلَّا أَنْ يَأْتِيَنَّ بِفَاحِشَةٍ مُّبَيِّنَةٍ ۚ وَتِلْكَ

मगर ये के वो भुली भेडयाई कर लें. और ये अल्लाह की

حُدُودُ اللَّهِ ۚ وَمَنْ يَتَعَدَّ حُدُودَ اللَّهِ فَقَدْ

मुकरर की हुई हुदूह है. और जो अल्लाह की मुकरर की हुई हुदूह से तजावुज करेगा, तो

ظَلَمَ نَفْسَهُ ۚ لَا تَدْرِي لَعَلَّ اللَّهَ يُحْدِثُ

यकीनन उस ने अपनी जान पर जुल्म किया. वो नहीं जानता के शायद अल्लाह उस के

بَعْدَ ذَلِكَ أَمْرًا ۚ فَإِذَا بَلَغْنَ أَجَلَهُنَّ

भाह कोई नई सूरत ले आअे. फिर जब वो अपनी छदत की छन्तिडा (के करीब) पडोंय जाअें

فَأَمْسِكُوهُنَّ بِمَعْرُوفٍ أَوْ فَارِقُوهُنَّ بِمَعْرُوفٍ

तो उन को रोक लो उई के मुताबिक या उन को उई के मुताबिक छोड दो

وَأَشْهِدُوا ذُوَى عَدْلِ مِنْكُمْ وَأَقِيمُوا

और अपने में से हो आदिल आदमियों को गवाड बना लो और ठीक

الشَّهَادَةَ لِلَّهِ ۖ ذَلِكُمْ يُوعَظُ بِهِ مَنْ كَانَ

गवाही हो अल्लाह के वास्ते. इस की नसीहत की जाती है उस शप्स को जो

يُؤْمِنُ بِاللَّهِ وَالْيَوْمِ الْآخِرِ ۖ وَمَنْ يَتَّقِ اللَّهَ

ईमान रખता है अल्लाह पर और आखिरी दिन पर. और जो तक्वा ईप्तिथार करेगा

يَجْعَلُ لَهُ مَخْرَجًا ۖ وَيَرْزُقْهُ مِنْ حَيْثُ

तो अल्लाह उस के लिये रास्ता बनायेगे. और उसे रोजी देंगे ऐसी जगा से जहां से वो गुमान

لَا يَحْتَسِبُ ۖ وَمَنْ يَتَوَكَّلْ عَلَى اللَّهِ فَهُوَ حَسْبُهُ ۖ

भी नहीं करता था. और जो अल्लाह पर तक्कुल करे तो अल्लाह उस के लिये काफ़ी है.

إِنَّ اللَّهَ بِالْبَالِغِ أَمْرٍ ۖ قَدْ جَعَلَ اللَّهُ لِكُلِّ شَيْءٍ

यकीनन अल्लाह अपने हुकम को ईप्तिहा तक पड़ोयाने वाला है. यकीनन अल्लाह ने हर चीज की ओक

قَدْرًا ۖ وَاللَّيْ يَسِّنَ مِنَ الْمَحِيضِ

मिकदार मुतअय्यन कर रभी है. और जो औरतें हैज आने से मायूस हैं

مِنْ نِسَائِكُمْ إِنْ ارْتَبْتُمْ فَعَدَّتْهُنَّ ثَلَاثَةُ أَشْهُرٍ

तुम्हारी भीवियों में से अगर तुम शक करो, तो उन की ईदत तीन महीने हैं. और उन औरतों की भी

وَاللَّيْ لَمْ يَحْضَنْ ۖ وَأُولَاتُ الْأَحْمَالِ أَجَلُهُنَّ

जिन्हें अभी हैज नहीं आया (उन की ईदत भी तीन महीने हैं). और डमल वाली औरतों की ईदत

أَنْ يَضَعْنَ حَمْلَهُنَّ ۖ وَمَنْ يَتَّقِ اللَّهَ يَجْعَلْ لَهُ

ये है के वो अपना डमल वजअ कर लें. और जो अल्लाह से डरेगा तो अल्लाह उस के लिये

مِنْ أَمْرِهِ يُسْرًا ۖ ذَلِكَ أَمْرُ اللَّهِ أَنْزَلَهُ

उस के मुआमले में आसानी रभ देंगे. ये अल्लाह का अम्र है जो उस ने तुम्हारी

إِلَيْكُمْ ۖ وَمَنْ يَتَّقِ اللَّهَ يُكَفِّرْ عَنْهُ سَيِّئَاتِهِ

तरफ़ उतारा है. और जो अल्लाह से डरेगा, तो अल्लाह उस से उस के गुनाह दूर कर देगा

وَيُعْظِمُ لَهُ أَجْرًا ۖ أَسْكُنُونَهُنَّ مِنْ حَيْثُ

और उस को बडा अजर देगा. मुतल्लका औरतों को घर हो जहां तुम

سَكَنْتُمْ مِنْ وُجْدِكُمْ وَلَا تُضَارُّوهُنَّ لِتُضَيِّقُوا

रहो अपनी कुदरत के मुताबिक और तुम उन को जरर न पड़ोयाओ ताके तुम उन

عَلَيْهِنَّ ۖ وَإِنْ كُنَّ أَوْلَاتٍ حَمَلٍ فَأَنْفِقُوا عَلَيْهِنَّ

पर तंगी करो. और अगर वो डामिला हो तो उन पर भर्य करो

حَتَّى يَضَعْنَ حَمْلَهُنَّ ۚ فَإِنْ أَرْضَعْنَ لَكُمْ فَآتُوهُنَّ

यहां तक के वो अपना डमल वजअ कर लें. फिर अगर वो तुम्हारे लिये भर्यो को दूध पिलाओ तो उन को

أَجُورَهُنَّ ۚ وَأْتَمِرُوا بَيْنَكُمْ بِمَعْرُوفٍ ۚ

उन की उजरत दो. (भर्ये के मुताबिक) आपस में उर्क के मुताबिक जिम्मेदारी मुकरर करो. और अगर

وَإِنْ تَعَاَسَرْتُمْ فَاسْتََرْضِعْ لَهَا أُخْرَى ۖ لِيُنْفِقَ ذُو سَعَةٍ

तुम भाडम तंगी करो, फिर उस के लिये कोई दूसरी औरत दूध पिलाओ. तो याडिये के वुस्अत वाला अपनी

مِنْ سَعَتِهِ ۚ وَمَنْ قَدِرَ عَلَيْهِ رِزْقُهُ فَلْيُنْفِقْ

वुस्अत के मुताबिक भर्य करे. और जिस पर उस की रोजी तंग हो, तो याडिये के वो भर्य करे उस में से

مِمَّا آتَاهُ اللَّهُ ۚ لَا يُكَلِّفُ اللَّهُ نَفْسًا إِلَّا مَا آتَاهَا ۚ سَيَجْعَلُ

जो अल्लाह ने उस को दिया है. अल्लाह किसी शप्स को मुकल्लफ नहीं बनाता मगर उसी के मुताबिक जो

اللَّهُ بَعْدَ عُسْرٍ يُسْرًا ۚ وَكَأَيِّنْ مِنْ قَرْيَةٍ

उस को दिया है. अनकरीब अल्लाह तंगी के बाद आसानी रभ हेंगे. और कितनी बस्तियां हैं

عَتَّتْ عَنْ أَمْرِ رَجُلٍ وَرَجُلَةٍ وَرَسُولِهِ فَحَاسِبْنَهَا حِسَابًا

जिन्हों ने सरकशी की अपने रभ के हुकम से और उस के पैगम्बरों से, फिर डम ने उन से हिसाब लिया

شَدِيدًا ۚ وَعَدَّ بِنَهَا عَذَابًا نَكْرًا ۚ فَذَاقَتْ

सप्त हिसाब और डम ने उन्हें सप्त अजाब दिया. फिर उन्होंने ने

وَبَالَ أَمْرَهَا وَكَانَ عَاقِبَةُ أَمْرِهَا خُسْرًا ۚ

अपने किये का वबाल यभा और उन के मुआमले का अन्जाम भसारे वाला हुवा.

أَعَدَّ اللَّهُ لَهُمْ عَذَابًا شَدِيدًا ۚ فَاتَّقُوا

अल्लाह ने उन के लिये सप्त अजाब तैयार कर रभा है, तो अल्लाह से

اللَّهُ يَا أُولِي الْأَلْبَابِ ۗ الَّذِينَ آمَنُوا ۗ قَدْ

डरते रहो ओ अकलमन्हो! जो धिमान ला चुके हो. अल्लाह ने

أَنْزَلَ اللَّهُ إِلَيْكُمْ ذِكْرًا ۖ رَسُولًا يَتْلُوا

तुम्हारी तरफ जिंक उतारा है. रसूल भेजा है जो

عَلَيْكُمْ آيَاتِ اللَّهِ مُبَيَّنَاتٍ لِيُخْرِجَ الَّذِينَ

तुम पर अल्लाह की रोशन आयतें तिलावत करते हैं ताके अल्लाह ईमान वालों को

أَمَنُوا وَعَمِلُوا الصَّالِحَاتِ مِنَ الظُّلُمَاتِ

और उन को जो नेक अमल करते रहे तारीकियों से नूर की

إِلَى النُّورِ ۚ وَمَنْ يُؤْمِنْ بِاللَّهِ وَ يَعْمَلْ

तरफ़ निकाले. और जो ईमान लायेगा अल्लाह पर और नेक अमल

صَالِحًا يُدْخِلْهُ جَنَّاتٍ تَجْرِي مِنْ تَحْتِهَا

करता रहेगा तो अल्लाह उसे जन्नत में दाखिल करेगा जिन के नीचे से नहरें बहती

الْأَنْهَارِ خَالِدِينَ فِيهَا أَبَدًا ۚ قَدْ أَحْسَنَ

डोंगी, जिन में वो हमेशा रहेंगे. यकीनन अल्लाह ने

اللَّهُ لَهُ رِزْقًا ۝ اللَّهُ الَّذِي خَلَقَ سَبْعَ

उस को बेहतरीन रोज़ी दी है. अल्लाह वो है जिस ने पैदा किये सात

سَمَوَاتٍ وَمِنَ الْأَرْضِ مِثْلَهُنَّ ۚ يَتَنَزَّلُ

आस्मान और उतनी ही ज़मीनों. हुक़म उन के दरमियान

الْأَمْرِ بَيْنَهُنَّ لِتَعْلَمُوا أَنَّ اللَّهَ عَلَىٰ كُلِّ

उतरता है ताके तुम जान लो के अल्लाह हर चीज़ पर

شَيْءٍ قَدِيرٌ ۚ وَأَنَّ اللَّهَ قَدْ أَحَاطَ بِكُلِّ

कुदरत वाला है. और ये के अल्लाह का इल्म हर चीज़ को ँलता किये

شَيْءٍ عِلْمًا ۝

हुवे है.

رُكُوعَاتِهَا ۲

(१५) سُورَةُ التَّحْرِيمِ مَائِيَّةٌ (१०८)

آيَاتِهَا ۱۲

और २ रुकूअ हैं

सूरअे तहरीम मदीना में नाज़िल हुँ

उस में १२ आयतें हैं

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ۝

पण्डता हुं अल्लाह का नाम ले कर जो बडा मेहरबान, निडायत रहम वाला है

يَا أَيُّهَا النَّبِيُّ لِمَ تُحَرِّمُ مَا أَحَلَّ اللَّهُ لَكَ ۚ

अे नबी (सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लम)! आप क्यूं हराम करते हो उस चीज़ को जो अल्लाह ने आप के लिये

تَبْتَغِي مَرْضَاتِ أَرْوَاجِكَ ط وَاللَّهُ غَفُورٌ

उलाल की है? आप अपनी भीवियों की भुशूदी याहते हो. और अल्लाह बप्शने वाला,

رَحِيمٌ ❶ قَدْ فَرَضَ اللَّهُ لَكُمْ تَحْلَةَ أَيْمَانِكُمْ ۚ

निहायत रहम वाला है. अल्लाह ने तुम्हारे लिये मुकरर किया है तुम्हारी कस्मों को भोल देना.

وَاللَّهُ مَوْلَاكُمْ ۚ وَهُوَ الْعَلِيمُ الْحَكِيمُ ❷

और अल्लाह तुम्हारा मौला है. और वो ईलम वाला, छिकमत वाला है. और जब के नभीअे अकरम

وَإِذْ أَسْرَ النَّبِيُّ إِلَىٰ بَعْضِ أَرْوَاجِهِ حَدِيثًا ۚ

(सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लम) ने अपनी अेक जवजअे मुतलउरा से युपके से अेक भात कही. फिर जब उस

فَلَمَّا نَبَّأَتْ بِهِ وَأَظْهَرَهُ اللَّهُ عَلَيْهِ عَرَفَ

उम्मूल मोमिनीन ने उस की भबर दे दी और अल्लाह ने आप (सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लम) को उस पर मुतलिय कर दिया, तो आप

بَعْضَهُ وَأَعْرَضَ عَنْ بَعْضٍ ۚ فَلَمَّا نَبَّأَهَا بِهِ

(सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लम) ने उस मेसे कुछ भतला दिया और कुछ भताने से अैराज इरमाया. फिर जब आप (सल्लल्लाहु अलयहि

قَالَتْ مَنْ أَنْبَأَكَ هَذَا ط قَالَ نَبَأَنِي الْعَلِيمُ

व सल्लम) ने उस उम्मूल मोमिनीन को उस की भबर दी, तो वो केउने लगीं के आप को इस की किस ने भबर दी? तो नभीअे अकरम (सल्लल्लाहु

الْخَبِيرُ ❸ إِنَّ تَتُوبَا إِلَى اللَّهِ فَقَدْ صَغَتْ

अलयहि व सल्लम) ने इरमाया के मुजे ईलम वाले, भाभबर अल्लाह ने भबर दी. अगर तुम दोनो भीवियां अल्लाह की तरफ

قُلُوبِكُمْ ۚ وَإِنْ تَظْهَرَا عَلَيْهِ فَإِنَّ اللَّهَ هُوَ مَوْلَاهُ

तौभा करोगी (तो भेउतर), तुम दोनो के हिल टेण्डे हो गअे है. और अगर तुम दोनो आप (सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लम) के भिलाइ

وَجِبْرِيلُ وَصَالِحُ الْمُؤْمِنِينَ ۚ وَالْمَلَائِكَةُ

अेक हुसरे की महद करोगी, तो अल्लाह आप (सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लम) की महद करेगा और जिबरील और नेक

بَعْدَ ذَلِكَ ظَهِيرٌ ❹ عَسَىٰ رَبُّهُ إِنْ طَلَّقَنَّ

मुसलमान. और उस के भाद इरशते भी महदगार है. अगर नभीअे अकरम (सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लम) तुम्हे तलाक दे दे

أَنْ يُبَدِّلَهُ أَرْوَاجًا خَيْرًا مِّنْكُمْ مَّسَلِمَاتٍ

तो हो सकता है के उन क्रा रह नभीअे अकरम (सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लम) को तुम से भेउतर भीवियां भदले मे दे दे,

مُّؤْمِنَاتٍ قَانِتَاتٍ تَشَبِهْنَ عِبْدَاتٍ سَخِيحَاتٍ

ईस्लाम वालियां, ईमान वालियां, भुशूअ करने वालियां, तौभा करने वालियां, ईभादत करने वालियां,

تَّيَّبَتْ وَ أَبْكَارًا ۝ يَأَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا

रोजा रખने वालियां हों, सखिया और बाकिरा. अे ईमान वालो!

قُوا أَنْفُسَكُمْ وَأَهْلِيكُمْ نَارًا وَقُودُهَا النَّاسُ

अपने आप को और अपने घर वालों को आग से बचाओ, जिस का ईंधन ईन्सान

وَالْحِجَارَةُ عَلَيْهَا مَلَائِكَةٌ غِلَاظٌ شِدَادٌ

और पथर होंगे, जिस पर सप्त मिजाज सप्ती करने वाले इरिशते हैं,

لَّا يَعْصُونَ اللَّهَ مَا أَمَرَهُمْ وَ يَفْعَلُونَ

वो अल्लाह की नाइरमानी नहीं करते उस में जो अल्लाह उन्हें हुकम दे और वो करते हैं वही जिस

مَا يُؤْمَرُونَ ۝ يَأَيُّهَا الَّذِينَ كَفَرُوا لَا تَعْتَدُوا

का उन्हें हुकम दिया जाता है. अे काइरो! आज उजर मत पेश करो.

الْيَوْمَ إِنَّمَا تُجْزَوْنَ مَا كُنتُمْ تَعْمَلُونَ ۝

तुम्हें सिर्फ सजा दी जायेगी उन्ही कामों की जो तुम करते थे.

يَأَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا تَوْبُوا إِلَى اللَّهِ تَوْبَةً

अे ईमान वालो! अल्लाह की तरफ तौबअे नसूड करो.

نَّصُوحًا عَلَىٰ رَبِّكُمْ أَنْ يُكَفِّرَ عَنْكُمْ

उम्मीद है के तुम्हारा रब तुम से तुम्हारी बुराईयां दूर

سَيِّئَاتِكُمْ وَيُدْخِلَكُمْ جَنَّاتٍ تَجْرِي

कर देगा और तुम्हें जन्नतों में दाखिल करेगा जिन के नीचे से

مِنْ تَحْتِهَا الْأَنْهَارُ ۚ يَوْمَ لَا يُخْزِي اللَّهُ النَّبِيَّ

नेहरें बेहती होंगी. जिस दिन नबी को और उन को जो उन के साथ ईमान लाअे हैं

وَالَّذِينَ آمَنُوا مَعَهُ نُورُهُمْ يَسْعَىٰ بَيْنَ

अल्लाह रुस्वा नहीं करेंगे. उन के आगे और उन की दाईं जानिब

أَيْدِيهِمْ وَبِأَيْمَانِهِمْ يَقُولُونَ رَبَّنَا أَتْمِمْ لَنَا

उन का नूर दौड रहा होगा, वो केह रहे होंगे अे उमारे रब! तू उमारे लिये उमारे नूर को ईत्मांम तक

نُورَنَا وَاعْفِرْ لَنَا ۚ إِنَّكَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ۝

पड़ोया और उमारी भगाइरत कर दे. यकीनन तू हर चीज पर कुदरत वाला है.

يَا أَيُّهَا النَّبِيُّ جَاهِدِ الْكُفَّارَ وَالْمُنَافِقِينَ

अे नबी! आप काफ़िरो से और मुनाफ़िकीन से ज़िहाद कीजिये

وَاعْلُظْ عَلَيْهِمْ ۖ وَمَأْوَهُمْ جَهَنَّمُ ۖ وَبِئْسَ

और उन पर सप्तती कीजिये. और उन का ठिकाना जहन्नम है. और वो भुरी

الْمَصِيرُ ۝ ضَرَبَ اللَّهُ مَثَلًا لِلَّذِينَ كَفَرُوا امْرَأَتَ

जगा है. अल्लाह ने काफ़िरो के लिये मिसाल बयान की नूड (अलैहिस्सलाम)

نُوحٍ وَامْرَأَتَ لُوطٍ ۖ كَانَتَا تَحْتَ عَبْدَيْنِ

और नूत (अलैहिस्सलाम) की भीवियों की. जो दोनो उमारे बन्दो में से दो नेक बन्दो की

مِنْ عِبَادِنَا صَالِحِينَ فَخَانَتْهُمَا فَلَمَّ يُغْنِيَا

मातलती में थीं, फिर दोनो ने उन दोनो नबियों से बयानत की, फिर वो दोनो नबी अल्लाह के मुकाबले

عَنْهُمَا مِنَ اللَّهِ شَيْئًا وَقِيلَ ادْخُلَا النَّارَ

में उन दोनो के कुछ काम नहीं आये और कडा गया दोनो भीवियों से के आग में दाबिल हो जाओ

مَعَ الدَّٰخِلِينَ ۝ وَضَرَبَ اللَّهُ مَثَلًا لِلَّذِينَ

(जहन्नम में) दाबिल होने वालो के साथ. और अल्लाह ने मिसाल बयान की धमान वालो

أَمْوًا امْرَأَتَ فِرْعَوْنَ ۖ إِذْ قَالَتْ رَبِّ ابْنِ لِي

के लिये फिरऔन की भीवी (आसिया) की. जब के उस (आसिया) ने कडा के अे मेरे रब! मेरे लिये

عِنْدَكَ بَيْتًا فِي الْجَنَّةِ وَنَجِّنِي مِنْ فِرْعَوْنَ

अपने पास जन्नत में अेक घर तामीर कर और तू मुजे फिरऔन और उस के अमल

وَ عَمَلِهِ وَ نَجِّنِي مِنَ الْقَوْمِ الظَّالِمِينَ ۝

से नजात दे और तू मुजे जालिम कौम से नजात दे.

وَ مَرْيَمَ ابْنَتَ عِمْرَانَ الَّتِي أَحْصَنَتْ فَرْجَهَا

और मिसाल बयान की मरयम बिनते धमरान (अलैहिस्सलाम) की, जिस ने अपनी शर्मगाड की डिफ़ाजत की,

فَنَفَخْنَا فِيهِ مِنْ رُوحِنَا وَ صَدَقَتْ بِكَلِمَاتِ

तो फिर हम ने उस में अपनी रुह फूंक दी और उस ने अपने रब के

رَبِّهَا وَ كُتِبَ عَلَيْهَا مِنَ الْقَوَالِمِ ۝

कलिमात और अल्लाह की किताबो की तस्दीक की और वो इरमांभरदारो में से थीं.